मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक शिक्षण कार्य

संस्कृत

4

मिशन शिक्षण संवाद

संकलन- हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मुकन्दपुर,
वि०क्षे०- लोधा, अलीगढ़

pngtree.com

शब्द - अर्थ

आम्राणि=बहुत आम, शुकः =तोता
सूर्यः = सूरज, क्षेत्रम् = खेत
गृह = दो घर, कृषकः=किसान
वृक्षः = पेड़, वृषभौ= दो बैल

ऊपर दिये गये चित्र को ध्यान से देखें। दिये गये शब्दों के अर्थों को देखते हुए पाठ को पढें।

अभ्यास कार्य

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दें=

1=एषः कः?
एषः ______। (तोता)
2=एतौ कौ?
एतौ ______ ।(दो बैल)
3=एतानि कानि?
एतानि________।(बहुत से आम)
4=एषः कः?
एषः__________।(किसान)

एकवचन	***द्विवचन***	***बहुवचन***
आम्रम्	आम्रे	आम्राणि
ग्रहम्	ग्रहे	ग्रहाणि
कमलम्	कमले	कमलानि
मूलकम्	मूलके	मूलकानि
बसयानम्	बसयाने	बसयानानि
सेवफलम्	सेवफले	सेवफलानि
कारयानम्	कारयाने	कारयाननि
गृञ्जनम्	गृञ्जने	गृञ्जनानि

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता,(स॰अ॰), प्रा॰ वि॰ मुकन्दपुर,अलीगढ़ 9458278429
Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

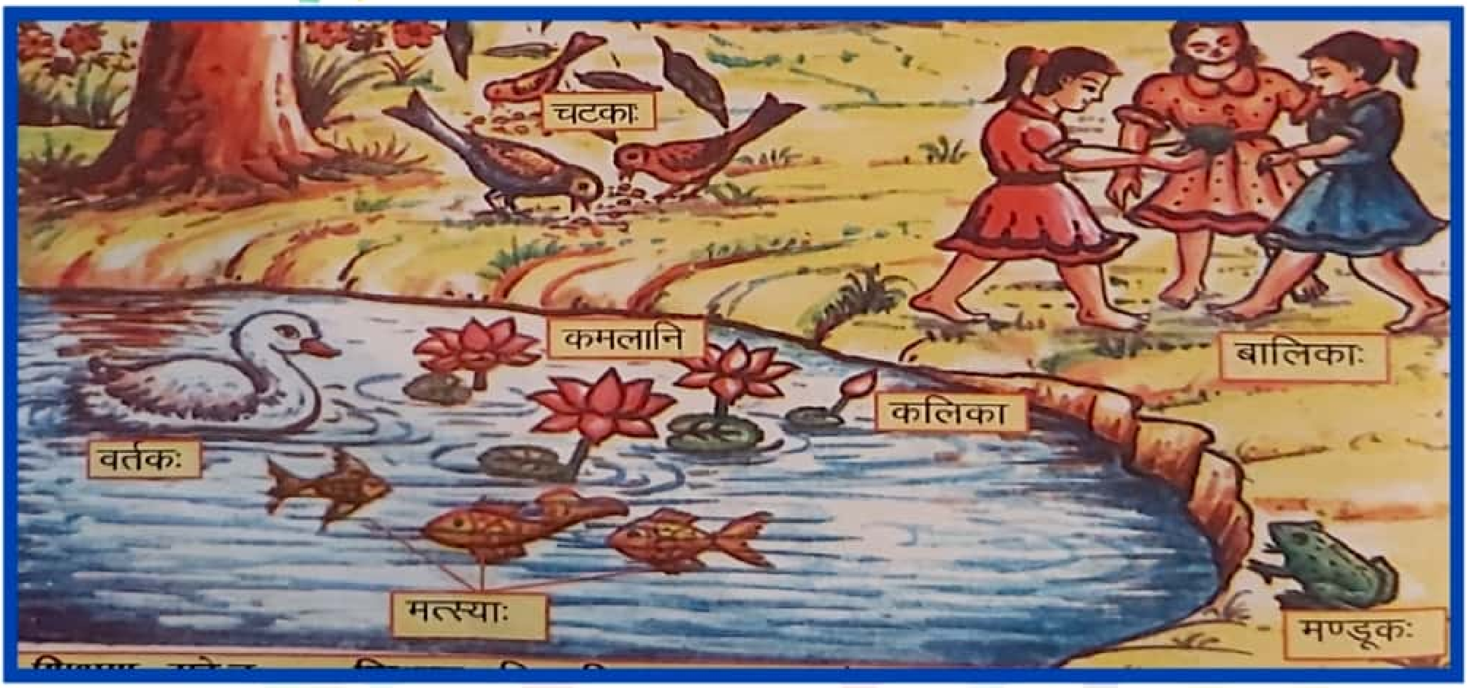

शब्द - अर्थ

चटकाः= बहुत सी चिड़ियाँ, वर्तकः= बत्तख
कमलानि= बहुत से कमल, कलिका= कली
मत्स्याः= मछलियाँ, बालिकाः = बालिकाएं
मण्डूकः= मेंढक

ऊपर दिये गये चित्र को ध्यान से देखें। दिये गये शब्दों के अर्थों को देखते हुए पाठ को पढें।

अभ्यास कार्य

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दें=

1=एषः कः?
एषः ______। (बत्तख)
2=एते के?
एते ______ ।(मछलियाँ)
3=एतानि कानि?
एतानि________।(बहुत से कमल)
4=एषः कः?
एषः__________।(मेंढक)

स्त्रीलिंग

एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
चटका	चटके	चटकाः
बालिका	बालिके	बालिकाः
कलिका	कलिके	कलिकाः

उत्तरमाला क्रमांक=1

1= शुकः 2= वृषभौ
3= आम्राणि 4= कृषकः

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता, प्रा० वि० मुकन्दपुर, अलीगढ़ 9458278429

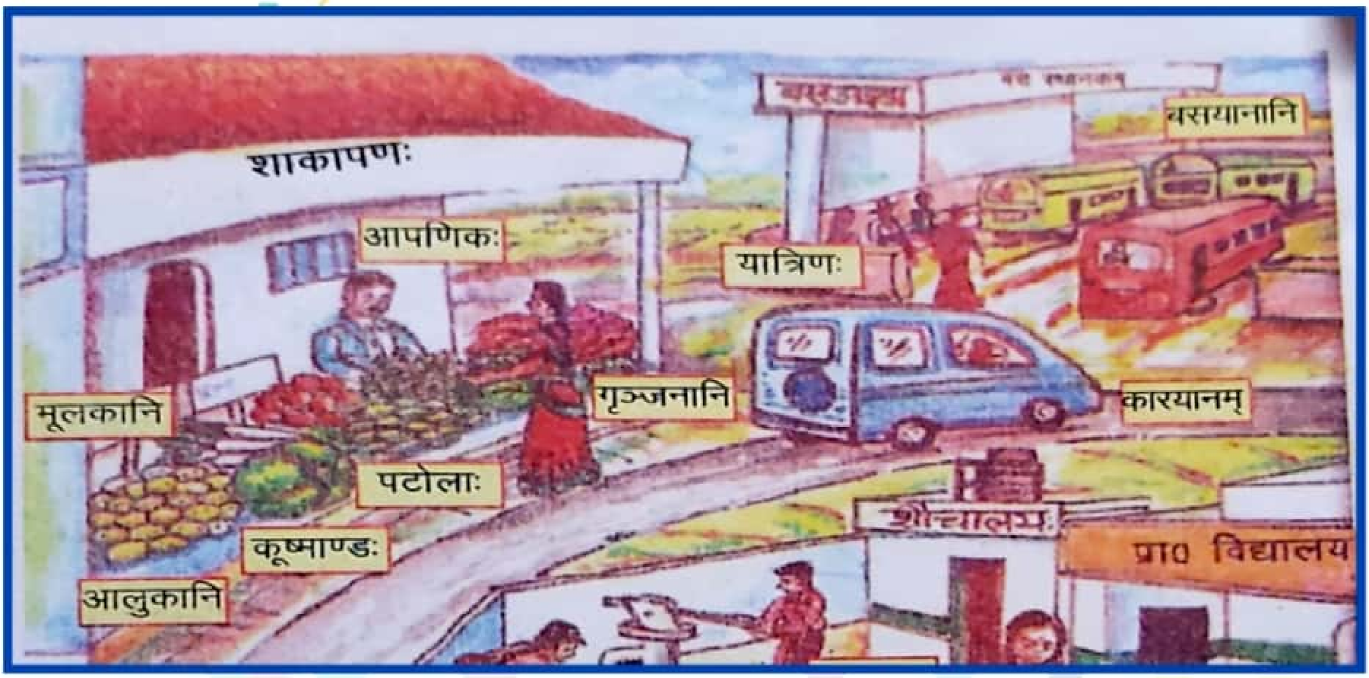

शब्द - अर्थ

आपणिकः= दुकानदार , यात्रिणः= यात्रिण
आलूकानि= बहुत से आलू, पनसः=कटहल
पटोलाः= बहुत से परवल, मूलकानि= मूलियाँ
कूष्माण्डः= कद्दू, गृञ्जनानि= बहुत सी गाजर
कारयानम्= कार, बसयानानि= बहुत सी बस

ऊपर दिये गये चित्र को ध्यान से देखें। दिये गये शब्दों के अर्थों को देखते हुए पाठ को पढें।

अभ्यासकार्य

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दें=

1=एतत् किम्?
एतत् ______। (कार)
2=एतानि कानि?
एते ______ ।(बहुत सी बस)
3=एतानि कानि?
एतानि________।(बहुत से आलू)
4=एषः कः?
एषः___________।(दुकानदार)
5=एषाः काः?
एषाः __________।(यात्रीगण)

पुँल्लिंग

एकवचन	*द्विवचन*	*बहुवचन*
बालकः	बालकौ	बालकाः
शिक्षकः	शिक्षकौ	शिक्षकाः
वृषभः	वृषभौः	वृषभाः
मण्डूकः	मण्डूकौ	मण्डूकाः

उत्तरमाला क्रमांक=2
1=वर्तकः 2= मत्स्याः
3= कमलानि 4= मण्डूकः
5=बालिकाः

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता, प्रा॰ वि॰ मुकन्दपुर, अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

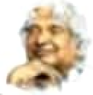

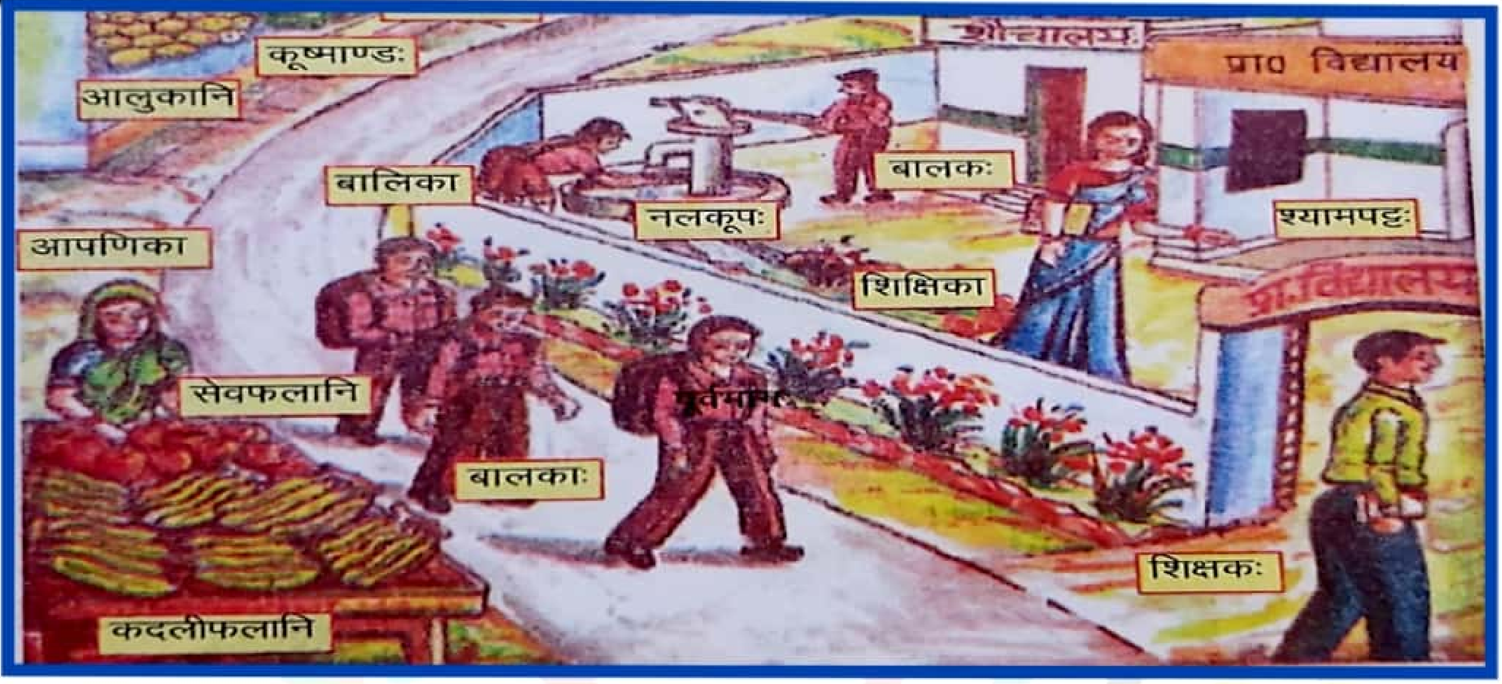

शब्द - अर्थ

नलकूपः= नल , शिक्षकः= शिक्षक
सेवफलानि= बहुत से सेब, बालिका= लड़की
शयामपट्टः= श्यामपट्ट(ब्लैकबोर्ड)
कदलीफलानि= केले,बालकः= लड़का,
आपणिका= दुकानदार (स्त्री)

ऊपर दिये गये चित्र को ध्यान से देखें। दिये गये शब्दों के अर्थों को देखते हुए पाठ को पढें।

अभ्यासकार्य

1- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दें=

1=एषः कः?
एषः ______। (नल)
2=एतानि कानि?
एते ______ ।(बहुत सी केले)
3=एतानि कानि?
एतानि________।(बहुत से सेब)
4=एषः कः?
एषः__________।(शिक्षक)
5=एषा: का:?
एषा: _________।(शिक्षिका)

2= (:) लगाकर शब्द बनाओ-

जैसे- छात्र छात्रः
बालक ______
दर्पण ______
चन्द्र ______

उत्तरमाला क्रमांक=3
1= कारयानम् 2= बसयानानि
3= आलुकानि 4= आपणिकः
5= यात्रिणः

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता, प्रा. वि. मुकन्दपुर, अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

विषय- संस्कृत पाठ- प्रथम प्रकरण-अभ्यास कार्य कक्षा - 4
क्रमांक-5

मिशन शिक्षण संवाद

अभ्यास कार्य

1= नीचे दिए गए शब्दों को संस्कृत में बहुवचन में बदलिए-

शुकः = शुकाः	फलम् = फलानि	चटका = चटकाः
कृषकः =	मूलकम्=	शिक्षिका =
वृषभः =	पुस्तकम्=	बालिका =
वृक्षः =	कारयानम्=	कलिका =
पटोलः =	वनम्=	लेखिका =

उत्तरमाला (क्रमांक- 4)

(1)=1- नलकूपः, 2- कदलीफलानि, 3- सेवफलानि, 4- शिक्षकः, 5- शिक्षिका ।

(2)= बालकः, दर्पणः, चन्द्रः ।

2= चित्र देखकर संस्कृत में उचित पद लिखें------

1-________ हसति ।

1-________ विकसित।

1-________ क्रीडन्ति ।

1-________ कूजन्ति।

Scanned with Cam

शनिवार गतिविधि ●●● वर्ग पहेली

नीचे दिए गए शब्दों की संस्कृत बनाएं, एवम क्रमांक के अनुसार शब्दों की संस्कृत वर्ग पहेली में भरें====

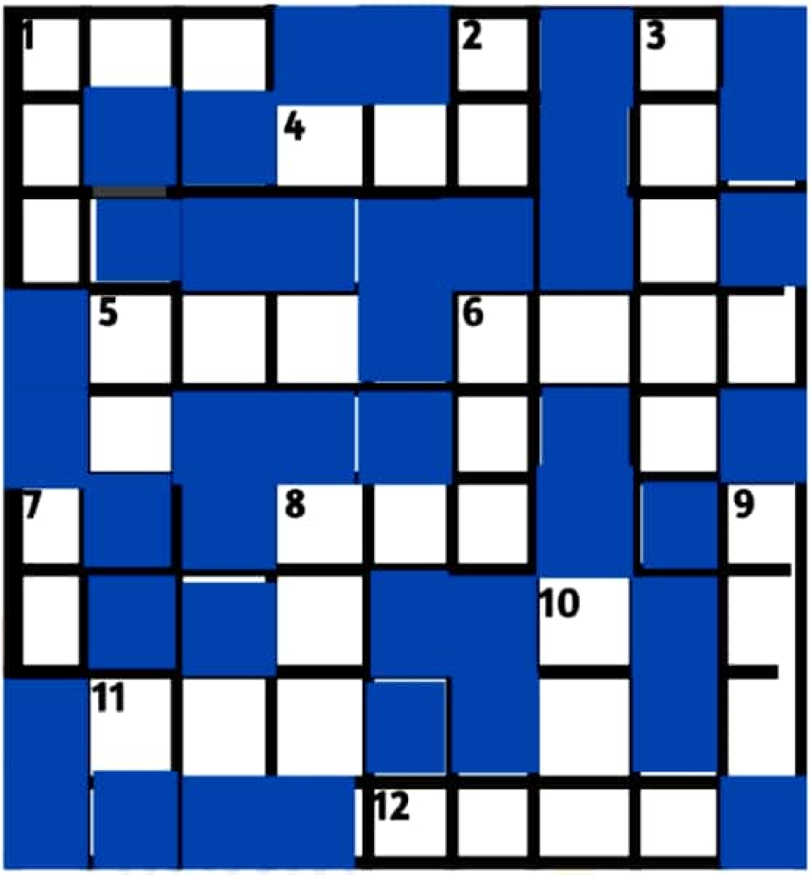

बाएं से दाएं

1-मछलियाँ=
4- बत्तख=
5- दो बैल=
6- बहुत से कमल=
8- लड़की=
11- शिक्षक=
12- दुकानदार=

ऊपर से नीचे

1- मेंढक=
2- तोता=
3- सेब,
5- पेड़=
6- कली=
7- दो घर=
8- लड़का=
9- बहुत से परवल=
10- बहुत से आम=

उत्तरमाला (क्रमांक 5)

1=

कृषका:	मूलकानि	शिक्षिका:
वृषभा:	पुस्तकानि	बालिका:
वृक्षा:	कारयानानि	कलिका:
पटोला:	वनानि	लेखिका:

2= बालक:
कमलम्
बालिका:

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा॰वि॰मुकन्दपुर, अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

छात्रः पठति।
अर्थ= छात्र पढ़ता है।

छात्रौ पठतः।
अर्थ= दो छात्र पढ़ते है।

छात्राः पठन्ति।
अर्थ= बहुत से छात्र पढ़ते हैं।

बालिका हसति।
अर्थ= लड़की हसती है।

बालिके हसतः।
अर्थ= दो लड़कियां हँसती हैं।

बालिकाः हसन्ति।
अर्थ= लड़कियां हँसती हैं।

शब्द अर्थ =

पठति- पढ़ता है, छात्रौ- दो छात्र,
पठन्ति- पढ़ता हैं, बालिका- लड़की,
हसतः- हँसती हैं(दो के लिए),
बालिकाः- बहुत सी लड़कियां

एक वचन	*द्विवचन*	*बहुवचन*
पठति	पठतः	पठन्ति
हसति	हसतः	हसन्ति

अभ्यास कार्य

नीचे दिए गए संस्कृत के शब्दों से रिक्त स्थान भरें=
पठतः, हसति, हसन्ति
1- बालिकाः __________।
2- बालिका __________।
3- छात्र __________।

उत्तरमाला क्रमांक- 6

बायें से दायें=
1- मत्स्याः, 4- वर्तकः, 5- वृषभौ,6-कमलानि, 8- बालिका, 11- वृक्षः, 12- आपणिकः

ऊपर से नीचे=
1- मण्डूकः, 2- शुकः, 3-सेवफलानि, 5-वृक्षः, 6- कलिका, 7- गृह 8- बालकः, 9- पटोलाः, 10-आम्राणि

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

पत्रं पतति।

अर्थ= पत्ता गिरता है।

पत्रे पततः।

अर्थ= दो पत्ते गिरते हैं।

पत्राणि पतन्ति।

अर्थ= बहुत सारे पत्ते गिरते हैं।

त्वं पठसि।

अर्थ= तुम पढ़ती हो।

युवां पठथः।

अर्थ= तुम दौनों पढ़ती हो।

यूयं पठथ।

अर्थ= तुम सब पढ़ती हो।

शब्द अर्थ

पत्रं- पत्ता, पतति- गिरता है,
पत्रे- दो पत्ते, पतन्ति- गिरते हैं,
त्वं- तुम, युवां- तुम दौनों,
यूयं- तुम सब, पठथ- पढ़ती हैं।

एक वचन	द्विवचन	बहुवचन
छात्रः	छात्रौ	छात्राः(पुर्लिंग)
बालिका	बालिके	बालिकाः(स्त्रीलिंग)
पत्रं	पत्रे	पत्राणि(नपुंसकलिंग)

उत्तरमाला क्रमांक- 7

1- हसति।
2- हसन्ति।
3- पठतः।

अभ्यास कार्य

नीचे दिए गए संस्कृत के शब्दों से रिक्त स्थान भरें=
पठथः, त्वं, पठथ, पततः, पत्राणि।

1- पत्रे __________।
2- युवां __________।
3- ________ पतन्ति ।
4- यूयं ____________।
5-__________ पठसि।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़

Scanned with Cam

अहं खादामि।
अर्थ= मैं खाता हूँ।

आवां खादावः।
अर्थ= हम दोनों खाते हैं।

वयं खादामः।
अर्थ = हम सब खाते हैं।

अभ्यास कार्य
बहुवचन में बदलो-

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
पठति	पठन्ति	पठामि	पठामः
लिखति		चलामि	
हसति		पिबामि	
खेलति		खादामि	
पतति		हसामि	

शब्द अर्थ
अहं - मैं, वयं - हम सब,
आवां - हम दौनों, खादामः - खाते हैं,
खादामि - खाता हूँ।

मौखिक अभ्यास करें-

एक वचन	द्विवचन	बहुवचन
पश्यति	पश्यतः	पश्यन्ति
पश्यसि	पश्यथः	पश्यथ
पश्यामि	पश्यावः	पश्यामः

उत्तरमाला क्रमांक- 8
1- पततः, 2- पठथः,
3- पत्राणि, 4- पठथ,
5- त्वं।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़

Scanned with Cam

विषय-संस्कृत पाठ- तृतीयः पाठः कक्षा - 4

प्रकरण-वाक्य- प्रयोगः (द्वितीयः) क्रमांक - 10

मिशन शिक्षण संवाद

मृगः धावति। अर्थ= हिरण दौड़ता है।

अयं धावति। अर्थ= यह दौड़ता है।

मृगौ धावतः। अर्थ= दो हिरण दौड़ते हैं।

इमौ धावतः। अर्थ= ये दौनों दौड़ते हैं।

मृगाः धावन्ति। अर्थ= बहुत से हिरण दौड़ते हैं।

इमे धावन्ति। अर्थ= ये सब दौड़ते हैं।

शब्द अर्थ

मृगः- हिरण, अयं- यह, इमौ- ये दौनों, मृगाः- बहुत से हिरण, इमे- ये सब, धावन्ति- दौड़ते हैं।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

अभ्यास कार्य

दिये गये शब्दों से रिक्त स्थान भरिये-

धावति, इमौ, मृगाः, धावन्ति

1-____________ धावतः।

2- इमे ____________।

3- अयं ____________।

4- ____________ धावन्ति।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़

Scanned with Cam

विषय-संस्कृत | पाठ- तृतीयः पाठः | कक्षा - 4

प्रकरण-वाक्य- प्रयोगः (द्वितीयः) | क्रमांक - 11

मिशन शिक्षण संवाद

पिपीलिका चलति। अर्थ= चींटी चलती है।

इयं चलति। अर्थ= यह चलती है।

पिपीलिके चलतः। अर्थ= दो चीटियां चलती है।

इमे चलतः। अर्थ= ये दौनों चलती हैं।

पिपीलिकाः चलन्ति। अर्थ= बहुत सी चीटियां चलती हैं।

इमाः चलन्ति। अर्थ= ये सब चलती हैं।

शब्द अर्थ

पिपीलिका- चींटी, इयं- यह, इमे- ये दौनों, पिपीलिके- दो चीटियां, इमाः- ये सब, चलति- चलती है, पिपीलिकाः- बहुत सी चीटियां।

उत्तरमाला क्रमांक 10

1- इमौ 2- धावन्ति

3- धावति 4- मृगाः

अभ्यास कार्य

दिये गये शब्दों से रिक्त स्थान भरिये-

पिपीलिकाः, इमे, चलति, चलतः।

1- ____________ चलतः।

2- पिपीलिका __________।

3- ____________ चलन्ति ।

4- पिपीलिके ___________।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़

Scanned with Cam

विषय-संस्कृत पाठ- तृतीयः पाठः कक्षा - 4

प्रकरण-वाक्य- प्रयोगः (द्वितीयः) क्रमांक - 12

मिशन शिक्षण संवाद

विमानम् उड्डयति। अर्थ= हवाई जहाज उड़ता है।

इदम् उड्डयति। अर्थ= यह उड़ता है।

विमाने उड्डयतः। अर्थ= दो हवाई जहाज उड़ते हैं।

इमे उड्डयतः। अर्थ= ये दोनों उड़ते हैं।

विमानानि उड्डयन्ति। अर्थ= बहुत से हवाई जहाज उड़तें हैं।

इमानि उड्डयन्ति। अर्थ= ये सब उड़तें हैं।

शब्द अर्थ

विमानम्- हवाई जहाज , इदम्- यह, इमे- ये दोनों, विमाने- दो हवाई जहाज, इमानि- ये सब, उड्डयति- उड़ता है, विमानानि- बहुत से हवाई जहाज ।

उत्तरमाला क्रमांक 11

1- इमे 2- चलति

3- पिपीलिकाः 4- चलतः।

अभ्यास कार्य

कर्ता के स्थान पर सर्वनाम शब्द का प्रयोग करें --

यथा- बालकः पुस्तकम् पठति।

सः पुस्तकम् पठति।

(1)शशकः तृणं खादति।

_____ तृणं खादति।

(2)वानरौ फलं खादतः।

_____ फलं खादतः।

(3)छात्रा विद्यालयं गच्छति।

_____ विद्यालयं गच्छति।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़

Scanned with Cam

चटका ब्रूते
चूँ चूँ चूँ

अर्थ= चिड़िया चूँ चूँ बोलती है।

वदति कुक्कुटः
कुकड़ूँ कूँ

अर्थ= मुर्गा कुकड़ूँ कूँ बोलता है।

गुञ्जति भृङ्गः
गुं गुं गुं।

अर्थ= भौंरा गुं गुं गुं गूंजता है।

वदति कपोतः
गुटरूँ गूँ।

अर्थ= कबूतर गुटर गूँ बोलता है।

शिखिनः वाणी
केका केका।

अर्थ=मोर की बोली केका केका है।

टर्र- टर्र कुरुते
मण्डूकः।

अर्थ= मेंढक टर्र टर्र करता है।

शब्द अर्थ

चटका- चिड़िया, ब्रूते- बोलता/ बोलती है, गुञ्जति- गूंजता है, भृङ्गः- भौंरा, कपोतः- कबूतर, शिखिनः- मोर की, मण्डूकः- मेंढक।

उत्तरमाला क्रमांक 12

1- सः 2- तौ 3- ते

अभ्यास कार्य

एकपदेन उत्तरत-

(क) चूँ चूँ का ब्रूते ? ________।

(ख) कुकड़ूँ कूँ कः वदति?_______।

(ग) शिखिनः वाणी का?_______।

(घ) गुं गुं कः गुञ्जति?________।

कवितायाः सस्वरगायनं कुरुत

अभ्यासपुस्तिकायां च लिखत।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़

Scanned with Cam

विषय-संस्कृत पाठ- चतुर्थः पाठः कक्षा - 4

प्रकरण- बालगीतम् क्रमांक- 14

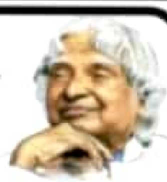

मिशन शिक्षण संवाद

बालः विहसति
हा हा हा।

अर्थ= बालक हा हा हसंता है।

काकः प्रलपति
का का का।

अर्थ= कौआ का का बोलता है।

वदति वानरः
खौं खौं खौं।

अर्थ= बन्दर खौं खौं बोलता है।

भषति कुक्कुरः
भौं भौं भौं।

अर्थ= कुत्ता भौं भौं भौंकता है।

वदति कोकिलः
कुहू कुहू।

अर्थ= कोयल कुहू कुहू बोलती है।

हर्षं यामो
मुहूः मुहूः।

अर्थ=
हम सब बार बार प्रसन्न होते हैं।

शब्द अर्थ

बालः- बालक, काकः- कौआ, वदति- बोलता है, भषति- भौंकता है, कुक्कुरः- कुत्ता, हर्षं यामो- हम सब प्रसन्न होते हैं, मुहूः मुहूः- बार बार।

उत्तरमाला क्रमांक 12

(क) चटका (ख) कुक्कुटः
(ग) केका केका (घ) भृङ्गः

अभ्यास कार्य

यथोचितं योजयत-

वदति कुक्कुटः	मुहूः मुहूः
गुञ्जति भृङ्गः	कुकड़ूँ कूँ
वदति कोकिलः	गुं गुं गुं
मण्डूकः	कुहू कुहू
हर्षं यामो	टर्र टर्र कुरुते

कवितायाः सस्वरगायनं कुरुत अभ्यासपुस्तिकायां च लिखत।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़

Scanned with Cam

अभ्यास कार्य

(क) बहुवचने परिवर्तयत-

कपोतः कपोताः

कुक्कुटः ________
काकः ________
वानरः ________
मण्डूकः ________
कुक्कुरः ________

(ख) वाक्यानि पूरयत-

(1) काकः प्रलपति
____

(2) भषति कुक्कुरः
____

(3) वदति कुक्कुटः
____

(ग) 'अति' योजयित्वा पदानि रचयत-

हस् + अति हसति

वद् + अति ________
गुञ्ज + अति ________
भष् + अति ________
पठ् + अति ________

उत्तरमाला क्रमांक 14

यथोचितं योजयत-

1- वदति कुक्कुटः कुकड़ूँ कूँ।
2- गुञ्जति भृङ्गः गुं गुं गुं।
3- वदति कोकिलः कुहू कुहू।
4- मण्डूकः टर्र टर्र कुरुते।
5- हर्षं यामो मुहुः मुहुः।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता
9458278429
प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़

Scanned with Cam

एकस्मिन् वने एकः सिहः निवसति। सः प्रतिदिनं एकस्य पशोः वधं करोति। एकदा एकस्य शशकस्य क्रमः आगच्छति। किन्तु शशकः विलम्बेन सिंहस्य समीपं गच्छति। विलम्बात् सिंहः बहु क्रुद्धः भवति। विलम्बस्य च कारणं पृच्छति।

अर्थ - एक जंगल में एक शेर रहता है। वह प्रतिदिन एक जानवर का वध करता है। एक बार एक खरगोश का क्रम आता है। किंतु खरगोश शेर के पास देर से जाता है। देर हो जाने से शेर बहुत क्रोधित होता है। और देरी का कारण पूछता है।

उत्तरमाला क्रमांक 15

(क) कपोताः, कुक्कुटाः, काकाः, वानराः, मण्डूकाः, कुक्कुराः।

(ख) 1- का का का, 2- भौं भौं भौं, 3- कुकड़ूँ कूँ।

(ग) वदति, गुञ्जति, भषति, पठति।

शब्द अर्थ

एकस्मिन्- एक, निवसति- रहता है, पशोः- पशु का, एकदा- एक बार,विलम्बेन- देर से, क्रुद्धः- क्रोधित।

अभ्यास कार्य

(१) एकपदेन उत्तरत-

(क) सिहः कुत्र निवसति?

(ख) सिहः प्रतिदिनं किं करोति?

अर्थ-

खरगोश - जंगल में एक दूसरा शेर भी है। वह मेरे रास्ते में रुकावट करता है।

शेर - अरे! जंगल में एक दूसरा शेर भी है।

खरगोश - हाँ, महाराज!

शेर - वह दूसरा शेर कहाँ है?

खरगोश - समीप में ही एक कुआँ है। वह वहाँ रहता है।

अभ्यास कार्य

वाक्यानि पूरयत-

(क) सिंहः- सः अन्यः सिंहः _____ अस्ति?

(ख) शशकः- समीपे एव एकः _____ अस्ति।

उत्तरमाला क्रमांक 16

(क) सिंहः वने निवसति।

(ख) सिंहः प्रतिदिनं एकस्य पशोः वधं करोति।

शब्द अर्थ -

शशकः- खरगोश, वने- जंगल में, अन्यः- दूसरा, अपि- भी, सः- वह, मम- मेरा, अवरोधनं- रुकावट, आम्- हाँ, कुत्र- कहाँ, अस्ति- है, समीपे- पास में, कूपः- कुआँ, सः- वह, तत्र- वहाँ, निवसति- रहता है।

Scanned with Cam

विषय-संस्कृत पाठ- पञ्चमः पाठः कक्षा - 4

प्रकरण- बुद्धिबलम् क्रमांक- 18

मिशन शिक्षण संवाद

सिंहः शशकेन सह अन्यं सिंहं द्रष्टुं कूपस्य समीपं गच्छति। सिहः कूपजले स्व-प्रतिबिम्बं पश्यति, कथयति च-

अर्थ- शेर खरगोश के साथ दूसरे शेर को देखने के लिए कुएँ के पास जाता है। शेर कुएँ के पानी में अपनी परछाई को देखता है, और कहता है-

अर्थ

शेर- यह ही दूसरा शेर है।

खरगोश- हाँ! महाराज! यह ही दूसरा शेर।

क्रुद्धः सिहः अपरं सिंहं हन्तुं कूपे कूर्दते। शशकः बुद्ध्या स्वरक्षां करोति।

अतः साधुक्तम्- "बुद्धिर्यस्य बलं तस्य।"

अर्थ- क्रोधित शेर दूसरे शेर को मारने के लिए कुए में कूदता है। खरगोश बुद्धि से अपनी रक्षा करता है।

ठीक कहा गया है "जिसकी बुद्धि है उसका बल है।"

अभ्यास कार्य

एकपदेन उत्तरत

(क) शशकः बुद्ध्या किं करोति?

(ख) सिंहः कूपजले किं पश्यति?

उत्तरमाला क्रमांक 17

(क) कुत्र (ख) कूपः

शब्द अर्थ-

शशकेन सह- खरगोश के साथ, स्व-प्रतिबिम्बं- अपनी परछाई, अयमेव- यह ही, क्रुद्धः- क्रोधित, अपरं- दूसरे, हन्तुं- मारने के लिए, कूर्दते- कूदता है, साधुक्तम्- ठीक कहा गया है।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़

Scanned with Cam

अभ्यास कार्य

(1) वाक्यानि पूरयत-

(क) शशकः विलम्बेन सिंहस्य समीपं __________।(आगच्छति, पश्यति,हसति)।

(ख) सिंहः बहु क्रुद्धः _______।(वहति, भवति, पठति)।

(ग) सिंहः कूपजले स्व-प्रतिबिम्बं _________।(ददाति, करोति, पश्यति)।

(घ) सिंहः कूपे ___________।(पश्यति, कूर्दति, गच्छति)।

(2) विपरीतार्थक-पदानि परस्परं योजयत

क्रुद्धः	दूरम्
समीपम्	समयेन
विलम्बेन	प्रसन्नः
वधम्	अनेकः
एकः	रक्षणम्

उत्तरमाला क्रमांक 18

(क) शशकः बुद्धया स्वरक्षां करोति।
(ख) सिंहः कूपजले स्व-प्रतिबिम्बं पश्यति।

Scanned with Cam

विषय-संस्कृत पाठ- व्याकरण कक्षा - 4

प्रकरण- वचन क्रमांक- 20

मिशन शिक्षण संवाद

समझें, कॉपी में लिखें और याद करें -------

सः	तौ	ते
(वह)	(वे दोनों)	(वे सब)
पठति	पठतः	पठन्ति
(पढ़ता है)	(पढ़ते हैं)	(पढ़ते हैं)
त्वम्	युवाम्	यूयम्
(तुम)	(तुम दोनों)	(तुम सब)
पठसि	पठथः	पठथ
(पढ़ते हो)	(पढ़ते हो)	(पढ़ते हो)
अहम्	आवाम्	वयम्
(मैं)	(हम दोनों)	(हम सब)
पठामि	पठावः	पठामः
(पढ़ता हूँ)	(पढ़ते हैं)	(पढ़ते हैं)

उत्तरमाला क्रमांक 19

1- (क) आगच्छति,(ख) भवति,
(ग) पश्यति,(घ) कूर्दति।

2- क्रुद्धः	प्रसन्नः
समीपम्	दूरम्
विलम्बेन	समयेन
वधम्	रक्षणम्
एकः	अनेकः

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़

Scanned with Cam

मित्रै मुदितः गायति बालः।
वर्षाकालः वर्षाकालः।।
प्रवहति नदीजलं हर-हर-हर।
सर-सर वहति समीरः।।

अर्थ

वर्षाकाल में बच्चे प्रसन्न हो कर मित्रों के साथ गाते हैं। नदियों में जल हर हर बहता है। वायु सर सर कर बहती है।

(अर्थात बच्चों जब बारिश का मौसम आता है तो बच्चे अपने सभी मित्रों के साथ बहुत खुश होते हैं गाना गाते हैं नदियों में बहुत सारा जल हर-हर करके बहता है और ठंडी ठंडी तेज तेज हवाएं चलती हैं।)

शब्द अर्थ

मित्रैः- मित्रों के साथ, मुदितः- प्रसन्न, समीरः- वायु, नदीजलं- नदी का जल, प्रवहति- बहता है।

अभ्यास कार्य 21

वाक्यानि पूरयत

1-__________ गायति।
2- प्रवहति नदीजलं _________।
3- सर- सर वहति_________।

Scanned with Cam

विषय-संस्कृत पाठ- षष्ठ: कक्षा - 4

प्रकरण- वर्षा कालः क्रमांक- 22

मिशन शिक्षण संवाद

वने उपवने तरुशाखायां।
कूजति मधुरं कीरः।।
गर्जति घनः मयूरः नृत्यति।
गगनं गतः मरालः।।
मित्रैः मुदितः कूर्दति बालः।
वर्षाकालः वर्षाकालः।।

अर्थ

जंगल में, बगीचे में पेड़ों की डालियों पर तोते मीठा मीठा बोलते हैं। बादल जोर जोर से गरजती हैं। मोर नांचते हैं। हंस गगन की ओर जाते हैं।

वर्षाकाल में बच्चे प्रसन्न हो कर मित्रों के साथ कूदते है अर्थात नांचते हैं।

शब्द अर्थ

कीरः- तोता, समीरः- वायु, तरुशाखायां- पेड़ों की डालियों, घनः- बादल, मरालः- हंस, कूर्दति- कूदते हैं।

उत्तरमाला 21

1- बालः गायति।
2- प्रवहति नदीजलं हर-हर-हर ।
3- सर- सर वहति समीरः ।

अभ्यास कार्य 22

एकपदेन उत्तरत

1- कः गायति?
2- कः मधुरं कूंजति?
3- कः नृत्यति?
4- कः गगनं गतः?

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

अभ्यास कार्य 23

1- पर्यायपदानि मेलयत -

मुदितः	वायुः
नदी	मेघः
जलम्	सरिता
समीरः	सलिलम्
तरुः	प्रसन्नः
घनः	विटपः

2- मेलनं कुरुत-

बालः	नृत्यति
कीरः	गर्जति
घनः	कूजति
मयूरः	गायति

उत्तरमाला क्रमांक - 22

1- बालः गायति।
2- कीरः मधुरं कूंजति।
3- मयूरः नृत्यति।
4- मरालः गगनं गतः।

Scanned with Cam

विषय-संस्कृत पाठ- सप्तमः कक्षा - 4

प्रकरण- स्वतंत्रता-दिवसः क्रमांक- 24

मिशन शिक्षण संवाद

स्वतंत्रता-दिवसः देशस्य मुख्यं पर्व अस्ति।अगस्त्य-मासस्य पञ्चदश-दिनाङ्के अयम् उत्सवः भवति। देशस्य प्रधानमंत्री रक्तदुर्गे त्रिवर्णं ध्वजम् आरोहयति।विद्यालयेषु अपि अयम् उत्सवः भवति।

अर्थ

स्वतंत्रता दिवस देश का प्रमुख त्योहार है। यह उत्सव अगस्त माह की पन्द्रह दिनांक को होता है। देश के प्रधानमंत्री लाल किले पर तीन रंगों वाला झण्डा फहराते हैं।विद्यालयों में भी यह उत्सव होता है।

शब्द अर्थ

देशस्य- देश का,
पञ्चदश- दिनाङ्के- पन्द्रह तारीख को,
रक्त दुर्गे- लालकिले पर, त्रिवर्णं- तीन रंगों वाला, ध्वजं- झण्डे को।

उत्तरमाला 23

मुदितः- प्रसन्न,
नदी - सरिता
जलम्- सलिलम्,
समीरः- वायु
तरुः- विटपः,
घनः- मेघः

2- बालः गायति।
कीरः कूजति।
घनः गर्जति।
मयूरः नृत्यति।

अभ्यास कार्य 24

प्र* देशस्य मुख्य पर्व कः अस्ति?

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

सर्वे छात्राः स्वच्छं गणवेशं परिधाय विद्यालयं आगच्छन्ति। प्रधानाध्यापकः ध्वजारोहणं करोति। सर्वे राष्ट्रगानं गायन्ति।

अर्थ

सभी छात्र छात्राएं साफ गणवेश धारण करके विद्यालय आते हैं।प्रधानाध्यापक ध्वजारोहण करते हैं अर्थात् झण्डे को फहराते हैं।सभी राष्ट्रगान गाते हैं।

शब्द अर्थ

सर्वे- सभी, स्वच्छं- साफ, आगच्छन्ति- आते हैं, ध्वजारोहणं- झण्डा फहराते, गायन्ति- गाते हैं।

उत्तरमाला 24

उ- देशस्य मुख्य पर्व स्वतंत्रता-दिवसः अस्ति।

अभ्यास कार्य 25

एकपदेन उत्तरत

1- सर्वे छात्राः किं परिधाय विद्यालयम् आगच्छन्ति?

2- तत्र प्रधानाध्यापकः किं करोति?

3- सर्वे किं गायन्ति?

4- अयम् उत्सवः कस्य मासस्य के दिनाङ्के भवति?

Scanned with Cam

छात्राः विविधान-कार्यक्रमान् कुर्वन्ति। अन्ते मिष्ठान्नवितरणं भवति। इदं पर्व राष्ट्रस्य एकतायाः प्रतीकम् अस्ति।

अर्थ

छात्र छात्राएं विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम करते हैं। अन्त में मिठाई का वितरण होता है। यह उत्सव राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है।

शब्द अर्थ

विविधान- विभिन्न प्रकार के, कुर्वन्ति- करते हैं, अन्ते- अन्त में, इदं- यह, राष्ट्रस्य- देश की, एकतायाः- एकता का।

उत्तरमाला 25

1- स्वच्छं गणवेशं 2- ध्वजारोहणं, 3- राष्ट्रगानं, 4- अगस्त्य मासस्य पञ्चदश दिनाङ्के।

अभ्यास कार्य 26

बहुवचने परिवर्तयत

भवति - गच्छति -
गायति - लिखति -

विपरीतार्थक पदैः मेलयत

दिवसः	परतन्त्रम्
स्वतन्त्रम्	मलिनम्
स्वच्छम्	प्रारम्भे
अन्ते	रात्रि

Scanned with Cam

देशस्य राष्ट्रीय पर्वाः

1- गणतंत्रदिवसः
(जनवरी मासस्य षडविंशति दिनाङ्के)
2- स्वतंत्रतादिवसः
(अगस्त मासस्य पञ्चदश दिनाङ्के)
3- गांधी जयन्ती
(अक्तूबर मासस्य द्वौ दिनाङ्के)

अभ्यास कार्य 27

वाक्यानि पूरयत

1- अगस्त मासस्य ________ दिनाङ्के अयम् उत्सवः भवति।

2- स्वतंत्रतादिवसे देशस्य प्रधानमंत्री ________ त्रिवर्णं ध्वजम् आरोहयति।

3- छात्राः_____________ कुर्वन्ति ।

4- सर्वे _______________ गायन्ति।

उत्तरमाला 26

1- भवन्ति, गच्छन्ति, गायन्ति, लिखन्ति।

2- दिवसः - रात्रि, स्वतंत्रतम् - परतन्त्रम्, स्वच्छम् - मलिनम्, अन्ते- प्रारम्भे।

Scanned with Cam

विषय- संस्कृत पाठ- अष्टमः कक्षा - 4

प्रकरण- परोपकारः क्रमांक- 27

मिशन शिक्षण संवाद

इयं नदी अस्ति। इयं जलेन पूरिता अस्ति। नदी स्वजलं न पिबति अपितु सर्वेभ्यः जीवेभ्यः यच्छति। अस्याः जलं पानाय, स्नानाय, सेचनाय च भवति।

अर्थ

यह नदी है। यह जल से भरी हुई है।नदी अपना जल स्वयं नहीं पीती है बल्कि सभी जीवों के लिए देती है।इसका जल पीने के लिए, नहाने के लिए और (फसल को) सींचने के लिए होता है।

अभ्यास कार्य 28

उचितपदं चित्वा उत्तराणि लिखत -

1- नदी केन पूरिता अस्ति? (फलेन/जलेन)

2- स्वजलं का न पिबति? (वृक्षः/नदी)

शब्द अर्थ

इयं- यह, पूरिता- भरी हुई, सर्वेभ्य जीवेभ्य- सभी जीवों के लिए,

पानाय- पीने के लिए,

सेचनाय- सींचने के लिए।

उत्तरमाला 27

1- पञ्चदश 2- त्रिवर्णं

3- विविधान्-कार्यक्रमान्

4- राष्ट्रगानं

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़

Scanned with Cam

विषय- संस्कृत   पाठ- अष्टमः   कक्षा - 4

प्रकरण- परोपकारः   क्रमांक- 28

मिशन शिक्षण संवाद

इयं नदी अस्ति। इयं जलेन पूरिता अस्ति। नदी स्वजलं न पिबति अपितु सर्वेभ्यः जीवेभ्यः यच्छति। अस्याः जलं पानाय, स्नानाय, सेचनाय च भवति।

अर्थ

यह नदी है। यह जल से भरी हुई है।नदी अपना जल स्वयं नहीं पीती है बल्कि सभी जीवों के लिए देती है।इसका जल पीने के लिए, नहाने के लिए और (फसल को) सींचने के लिए होता है।

अभ्यास कार्य 28

उचितपदं चित्वा उत्तराणि लिखत -

1- नदी केन पूरिता अस्ति? (फलेन/जलेन)

2- स्वजलं का न पिबति? (वृक्षः/नदी)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

शब्द अर्थ

इयं- यह, पूरिता- भरी हुई, सर्वेभ्य जीवेभ्य- सभी जीवों के लिए,
पानाय- पीने के लिए,
सेचनाय- सींचने के लिए।

उत्तरमाला 27

1- पञ्चदश 2- त्रिवर्णं
3- विविधान्-कार्यक्रमान्
4- राष्ट्रगानं

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता   प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़

Scanned with Cam

विषय- संस्कृत पाठ- अष्टमः कक्षा - 4
प्रकरण- परोपकारः क्रमांक - 29

मिशन शिक्षण संवाद

अयं सैनिकः अस्ति। अयं देशं रक्षति। देशस्य रक्षा एव तस्य कर्तव्यम् अस्ति। तस्य जीवनं देशरक्षायै एव भवति।

अर्थ

यह सैनिक है। यह देश की रक्षा करता है। देश की रक्षा करना ही उसका कर्तव्य है। उसका जीवन देश की रक्षा के लिए ही होता है।

अभ्यास कार्य 29

उचितपदं चित्वा उत्तराणि लिखत -

1- देशं कः रक्षति?

2-बहुवचने परिवर्तयत-

भवति

रक्षति

गच्छति

पिबति

शब्द अर्थ

अयं- यह, सैनिकः- सैनिक, रक्षति- रक्षा करता है, देशरक्षायै- देश की रक्षा के लिए।

उत्तरमाला 28

1- जलेन 2- नदी

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़

Scanned with Cam

विषय- संस्कृत   पाठ- अष्टमः   कक्षा - 4

प्रकरण- परोपकारः   क्रमांक- 30

मिशन शिक्षण संवाद

अयं वृक्षः अस्ति। अयं फलैः पूर्णः अस्ति। अयं स्वफलैः अन्यान् जीवान् पालयति। अस्य छायायां जनाः विश्रामं कुर्वन्ति। किं बहुना अस्य जीवनं परोपकाराय एव भवति।

अर्थ

यह पेड़ है। यह फलों से भरा हुआ है। यह अपने फलों से अन्य जीवों (प्राणियों) का पालन करता है। इसकी छाया में लोग आराम करते हैं। अधिक क्या कहें इसका जीवन परोपकार के लिए ही होता है।

अभ्यास कार्य 30

1-बहुवचने परिवर्तयत

वृक्षः   सैनिकः
नागरिकः   जनः

2-यथायोग्य मेलयित्वा वाक्यानि लिखत-

नदी   देशं रक्षति।
वृक्षः   बालकान् शिक्षयति।
सैनिकः   सर्वेभ्य जीवेभ्य जलं यच्छति।
शिक्षकः   स्वफलैः जीवान् पालयति।

शब्द अर्थ

वृक्षः- पेड़, पूर्णः- भरा हुआ, पालयति- पालन करता है, छायायां- छाया में, किं बहुना- अधिक क्या, परोपकाराय- परोपकार के लिए, एव- ही।

उत्तरमाला 29

1- सैनिकः

2- भवन्ति, रक्षन्ति, गच्छन्ति, पिबन्ति

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता   प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

चित्रं दृष्ट्वा उचित पदानि चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत-

परोपकाराय, मेघः, रोपणं, गर्जनम्

(क) अयं __________ वर्षति।

(ख) मेघः__________ करोति।

(ग) कृषकः__________ करोति।

(घ) एतस्य जीवनं ______एव भवति।

उत्तरमाला 30

1- वृक्षाः, सैनिकाः, नागरिकाः, जनाः।

2- नदी सर्वेभ्य जीवेभ्य जलं यच्छति।
वृक्षः स्वफलैः जीवान् पालयति।
सैनिकः देशं रक्षति।
शिक्षकः बालकान् शिक्षयति।

प्यारे बच्चों
इस पाठ से हमने यह सीखा कि नदी, सैनिक, वृक्ष, बादल सभी का जीवन परोपकार के लिए होता है।
परोपकार का अर्थ है पर+ उपकार अर्थात दूसरों की भलाई के लिए कार्य करना। अतः बच्चों हमें भी दूसरों की भलाई के लिए कार्य करना चाहिए।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़

Scanned with Cam

विषय- संस्कृत पाठ- नवमः कक्षा - 4

प्रकरण- शरीरस्य अङ्गानि क्रमांक- 32

मिशन शिक्षण संवाद

संस्कृत में अङ्गों के नाम लिखें एवं याद करें-

शब्द	अर्थ
केशाः-	बाल
नेत्रम्-	आँख
नासिका-	नाक
अधरः-	होठ
ललाटम् -	माथा
कर्णः-	कान
कपोलः-	गाल
मुखम् -	मुख
कण्ठः-	गला

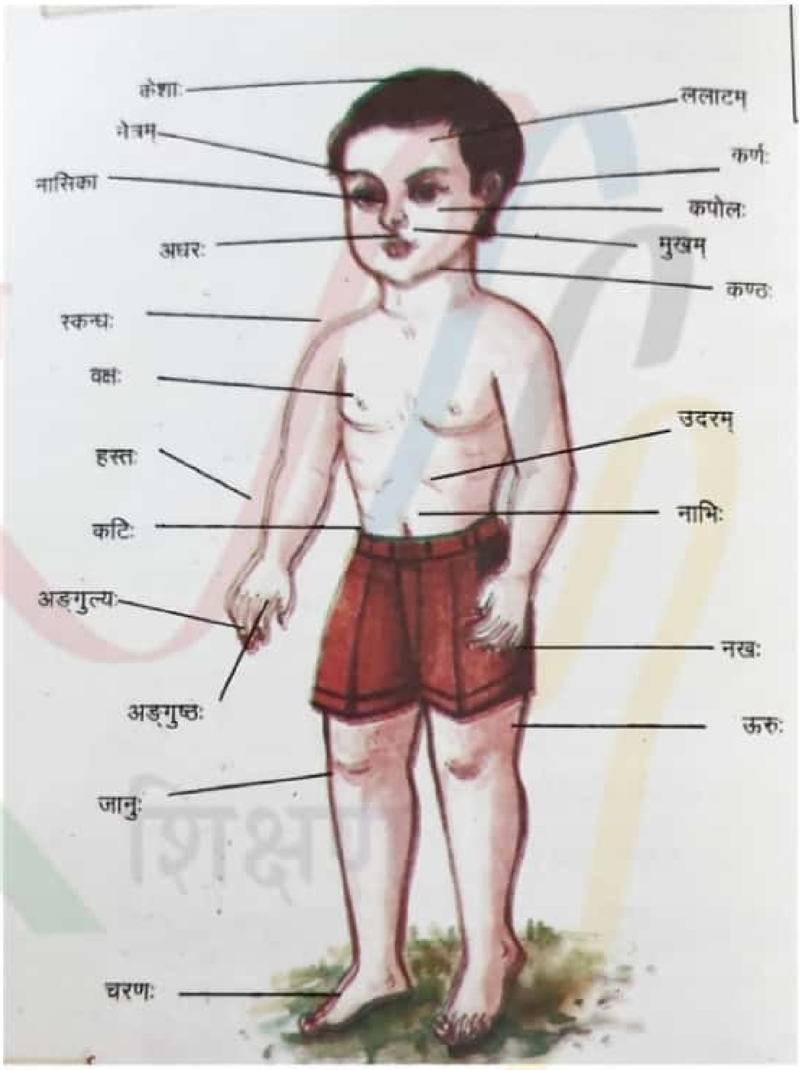

उत्तरमाला 31

1- मेघः
2- गर्जनम्
3- रोपणम्
4- परोपकाराय

अभ्यास कार्य 32-

यथायोग्यं योजयत-

नेत्रम्	कान
अधरः	गाल
कर्णः	आँख
केशाः	होठ
कपोलः	बाल

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़

Scanned with Cam

विषय- संस्कृत पाठ- नवमः कक्षा - 4

प्रकरण- शरीरस्य अङ्गानि क्रमांक- 33

मिशन शिक्षण संवाद

संस्कृत में अङ्गों के नाम लिखें एवं याद करें-

शब्द -	अर्थ
स्कन्धः-	कन्धा
वक्षः-	सीना
हस्तः-	हाथ
अङ्गुल्यः-	अङ्गुलियाँ
अङ्गुष्ठः-	अँगूठा
उदरम्-	पेट

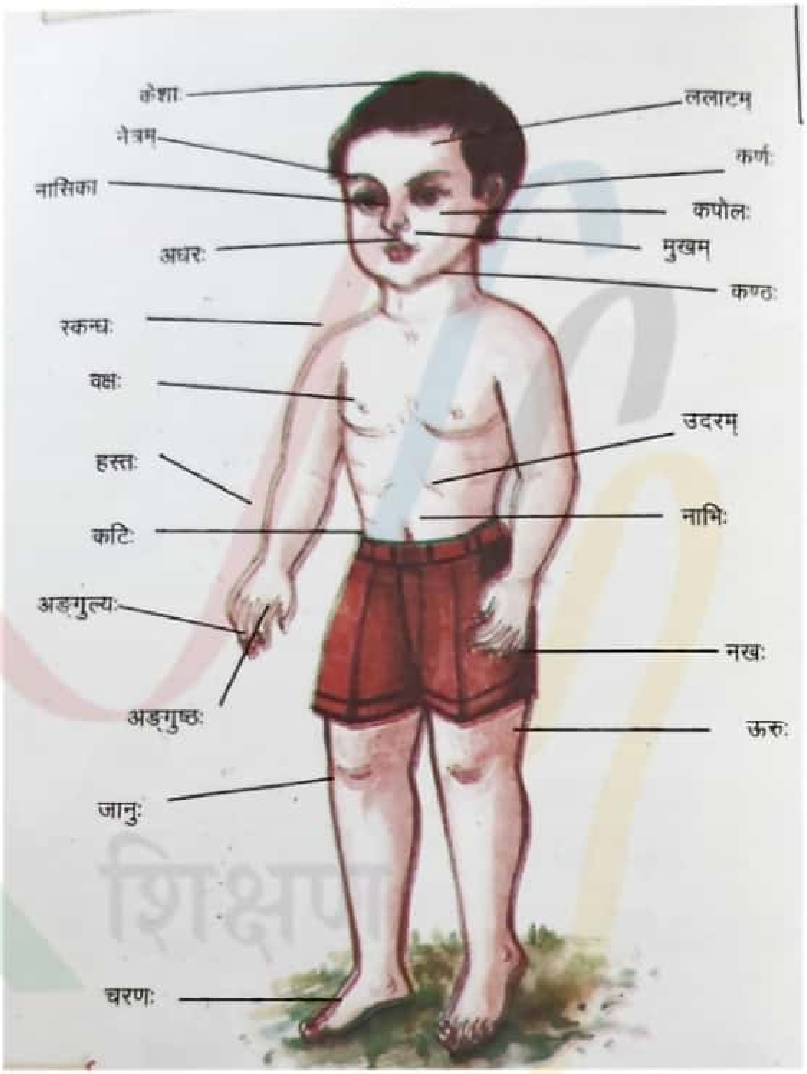

उत्तरमाला 32

यथायोग्यं योजयत-

नेत्रम्	आँख
अधरः	होठ
कर्णः	कान
केशाः	बाल
कपोलः	गाल

अभ्यास कार्य 33

उचित क्रियापदेन सह योजयत

नासिका	श्रणोति
कर्णः	वदति
मुखम्	पश्यति
नेत्रम्	जिघ्रति

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़

Scanned with Cam

विषय- संस्कृत पाठ- नवमः कक्षा - 4

प्रकरण- शरीरस्य अङ्गानि क्रमांक- 34

मिशन शिक्षण संवाद

संस्कृत में अङ्गों के नाम लिखें एवं याद करें-

शब्द	अर्थ
कटिः-	कमर
नाभिः-	नाभि
ऊरुः-	जाँघ
जानुः-	घुटना
चरणः-	पैर
नखः-	नाखून

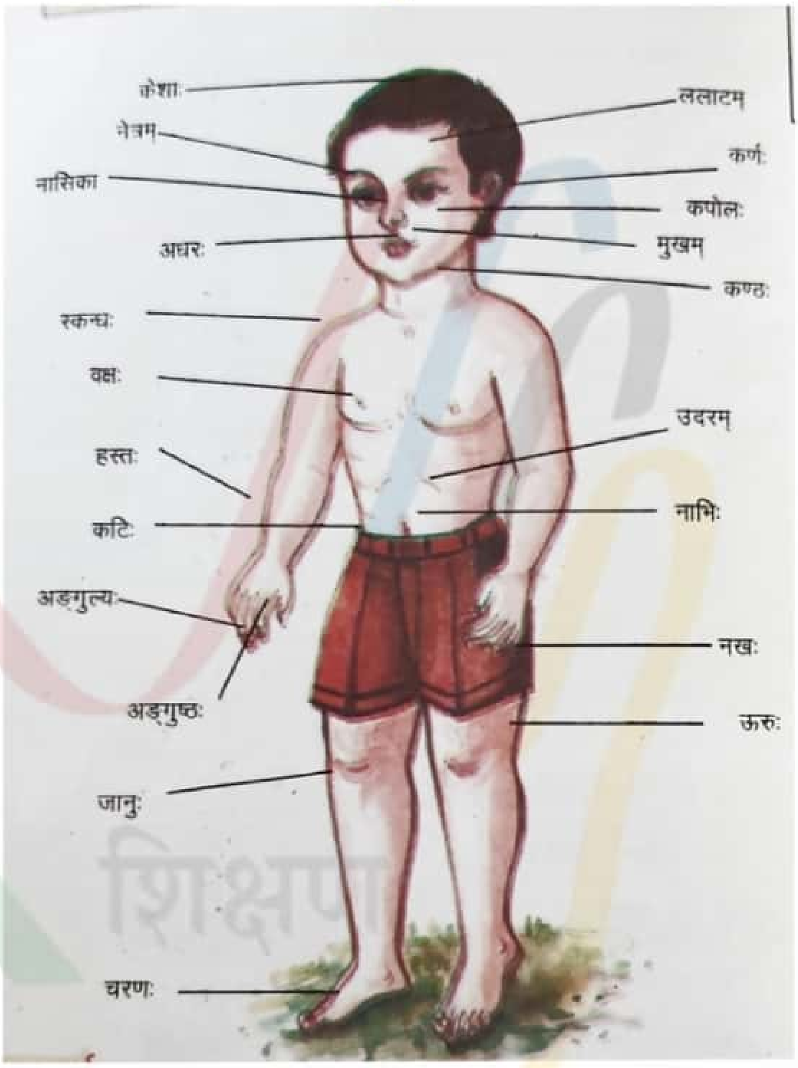

उत्तरमाला 33

उचित क्रियापदेन सह योजयत

नासिका	जिघ्रति
कर्णः	श्रणोति
मुखम्	वदति
नेत्रम्	पश्यति

अभ्यास कार्य 34

यथायोग्यं योजयत-

जानुः	पैर
चरणः	कमर
नखः	घुटना
कटिः	हाथ
हस्तः	नाखून

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़

Scanned with Cam

विषय- संस्कृत पाठ- नवमः कक्षा - 4

प्रकरण- शरीरस्य अङ्गानि क्रमांक- 35

मिशन शिक्षण संवाद

दिये गये चित्रों से संस्कृत अङ्गों के नाम मिलायें

हस्तः

चरणः

नासि

का

कर्णः

दन्ताः

नेत्रम्

उत्तरमाला 34

यथायोग्यं योजयत-

जानुः	घुटना
चरणः	पैर
नखः	नाखून
कटिः	कमर
हस्तः	हाथ

अभ्यास कार्य 35

संस्कृत में अंगो के नाम याद करें

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता 9458278429 प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

भारतवर्षे बहवः उत्सवाः सन्ति। तेषु होलिकोत्सवः प्रमुखः। होलिकोत्सवः फाल्गुनमासे पूर्णिमायां तिथौ भवति। अस्मिन दिने सर्वे रंग-क्रीड़ा कुर्वन्ति। ततः ते अबीर-गुलालादिकं परस्परं लिम्पन्ति।

अर्थ- भारतवर्ष में बहुत उत्सव (त्योहार) हैं। उनमें होली का त्योहार प्रमुख है।होली का त्योहार फाल्गुन माह की पूर्णिमा तिथि को होता है। इस दिन सभी रंग खेलते हैं। इसके बाद वे आपस में अबीर-गुलाल आदि लगाते हैं।

शब्द-अर्थ

बहवः- बहुत, अस्मिन- इस, कुर्वन्ति- करते हैं, ततः- इसके बाद, ते- वे, परस्परं- आपस में, लिम्पन्ति- लगाते हैं।

अभ्यास कार्य 36

बहुवचने परिवर्तयत

भवति - लिम्पति-
हसति - खादति -
पिबति- करोति-

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

शब्द-अर्थ
पूरिकां- पूरियां, गुज्झिकां- गुझिया, पर्पटं- पापङ को, मिष्ठान्नं- मिठाई को, नूतनवस्त्राणि- नये कपड़े, परिधाय- पहनकर।

अस्मिन दिने जनाः पूरिकां, गुज्झिकां, पर्पटं, मिष्टान्नं, पक्वान्नं च खादन्ति, जनाः नूतनवस्त्राणि परिधाय परस्परं मैत्रीपूर्ण व्यवहारं कुर्वन्ति। इदं पर्व राष्ट्रस्य एकतायाः सौहार्दस्य च प्रतीकम् अस्ति।

अर्थ- इस दिन लोग पूरियां, गुझियां, पापड़, मिठाई और पकवान खाते हैं। लोग नए कपड़े पहन कर आपस में मित्रता पूर्वक व्यवहार करते हैं। यह त्यौहार राष्ट्र की एकता और सौहार्दता का प्रतीक है।

उत्तरमाला 36

बहुवचने परिवर्तयत
भवति - भवन्ति, लिम्पति- लिम्पन्ति
हसति - हसन्ति, खादति - खादन्ति
पिबति- पिबन्ति, करोति- कुर्वन्ति

अभ्यास कार्य 37

विपरीतार्थक पदानि परस्परं योजयत

रात्रौ	अशुद्धम्
शुद्धम्	दिवसे
नूतनम्	अनेकम्
एकम्	पुरातनम्

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर अलीगढ़

Scanned with Ca

मिशन शिक्षण संवाद

अभ्यास कार्य 38

वाक्यानि पूरयत

(क) भारतवर्षे अनेके _____ सन्ति।
(ख) अस्मिन दिने सर्वे _____कुर्वन्ति।
(ग) इदं पर्व राष्ट्रस्य एकतायाः_______ च प्रतीकम् अस्ति।
(घ) जनाः परस्परं _______ व्यवहारं कुर्वन्ति।

एकपदेन उत्तरत

(क) कः प्रमुखः उत्सवः अस्ति?
(ख) होलिकोत्सवः कस्यां तिथौ भवति?
(ग) अस्मिन दिने सर्वे किं कुर्वन्ति?
(घ) जनाः कीदृशं व्यवहारं कुर्वन्ति?

उत्तरमाला 37

विपरीतार्थक पदानि परस्परं योजयत

रात्रौ	दिवसे
शुद्धम्	अशुद्धम्
नूतनम्	पुरातनम्
एकम्	अनेकम्

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़

Scanned with Cam

आचारः परमो धर्मः।

अर्थ- अच्छा आचरण ही सबसे बड़ा धर्म है।

बच्चों! हमें सब के साथ हमेशा अच्छा व्यवहार करना चाहिए। हमारे आचारण अर्थात व्यवहार से ही हमारी पहचान होती है।

विद्या ददाति विनयं।

अर्थ- विद्या विनय देती है।

बच्चों! विद्या हमें विनय अर्थात विनम्रता देती है। हमें सभी के साथ अच्छा व्यवहार करना सिखाती है।

उत्तरमाला 38

(क) उत्सवाः	(क) होलिकोत्सवः प्रमुखः उत्सवः अस्ति।
(ख) रंग-क्रीड़ां	(ख) होलिकोत्सवः फाल्गुनमासे पूर्णिमायां तिथौ भवति।
(ग) सौहार्दस्य	(ग) अस्मिन दिने सर्वे रंग-क्रीड़ां कुर्वन्ति।
(घ) मैत्रीपूर्णं	(घ) जनाः परस्परं मैत्रीपूर्णं व्यवहारं कुर्वन्ति।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़

Scanned with Cam

सत्यमेव जयते।

अर्थ- सत्य की ही विजय होती है।

बच्चों! हमें हमेशा सच बोलना चाहिए। झूठ बोलने वाला हमेशा हरता है, सच बोलने वाले को सभी पसंद करते है।

विद्वान सर्वत्र पूज्यते।

अर्थ- विद्वान व्यक्ति सभी जगह पूजनीय होते हैं।

बच्चों! विद्या हमारे अन्दर अच्छे गुणो का निर्माण करती है। इसलिए विद्वा व्यक्ति का सभी सम्मान करते हैं, उन बातों को मान देते हैं। इसलिए हमें म लगाकर पढ़ना चाहिए।

शब्द अर्थ

आचारः- अच्छा व्यवहार, परमो- सबसे बड़ा, विनयम्- विनम्रता, सत्यमेव- सत्य की ही, जयते- विजय होती है, सर्वत्र- सभी जगह।

अभ्यास कार्य 40

सूक्तियों से सम्बन्धित एक कहानी अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़

Scanned with Cam

लोभः पापस्य कारणम्।

अर्थ- लोभ अर्थात् लालच ही पाप अर्थात् गलत कार्यों का कारण होता है।

बच्चों! हमें कभी लालच नहीं करना चाहिए क्योंकि लालच में पड़ कर हम गलत कार्य करने लगते हैं।

मातृ देवो भव।

अर्थ- माँ भगवान के समान होती है।

बच्चों! हमें माँ का कभी दिल नहीं दुखाना चाहिए, माँ का हमेशा सम्मान करना चाहिए क्योंकि माँ भगवान के समान होती है।

शब्द अर्थ

लोभः- लालच, पापस्य- बुरे काम का, मातृ- माँ, भव- होती है।

अभ्यास कार्य 41

सूक्तियों से सम्बन्धित एक कहानी अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें।

Scanned with Cam

42 प्रकरण- सूक्तयः

सर्वे भवन्तु सुखिनः।

अर्थ- सभी सुखी होवे।

अर्थात सभी खुश रहें, किसी को कोई दुःख नहीं मिले।

माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः

अर्थ- धरती मेरी माँ है और मैं धरती का बेटा हूँ।

बच्चों! धरती को भी माँ के समान मानो। उसका भी अपनी माँ के समान सम्मान करो।

शब्द अर्थ

सर्वे- सभी, भूमि- धरती, पुत्रोऽहं- मैं पुत्र बेटा हूँ, पृथिव्याः- पृथ्वी का।

अभ्यास कार्य 42

सूक्तियों से सम्बन्धित एक कहानी अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें।

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

सर्वे भवन्तु सुखिनः।

अर्थ- सभी सुखी होवे।

अर्थात सभी खुश रहें, किसी को कोई दुःख नहीं मिले।

माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः

अर्थ- धरती मेरी माँ है और मैं धरती का बेटा हूँ।

बच्चों! धरती को भी माँ के समान मानो। उसका भी अपनी माँ के समान सम्मान करो।

शब्द अर्थ

सर्वे- सभी, भूमि- धरती, पुत्रोऽहं- मैं पुत्र बेटा हूँ, पृथिव्याः- पृथ्वी का।

अभ्यास कार्य 42

सूक्तियों से सम्बन्धित एक कहानी अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें।

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

समझें, कॉपी में लिखें और याद करें --------

विभक्ति (कारक)- चिह्न

विभक्ति	कारक	चिह्न
प्रथमा	कर्ता	ने
द्वितीया	कर्म	को
तृतीया	करण	से,के द्वारा
चतुर्थी	सम्प्रदान	के लिए
पञ्चमी	अपादान	से, अलग होने के अर्थ में
षष्ठी	सम्बन्ध	का,की, के
सप्तमी	अधिकरण	में, पर, ऊपर
सम्बोधन	सम्बोधन	हे! अरे! भो!

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

समझें, कॉपी में लिखें और याद करें -------

संख्याएँ

क्र स	पुँल्लिङ्ग	स्त्रीलिङ्ग	नपुंसकलिङ्ग
1 =	एक:	एका	एकम्
2 =	द्वौ	द्वे	द्वे
3 =	त्रय:	तिस्र:	त्रीणि
4 =	चत्वार:	चतस्र:	चत्वारि
5 =	पञ्च	पञ्च	पञ्च
6 =	षट्	षट्	षट्
7 =	सप्त	सप्त	सप्त
8 =	अष्ट	अष्ट	अष्ट
9 =	नव	नव	नव
10=	दश	दश	दश

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़ 9458278429

अस्माकं देश:

भारतस्य दक्षिणभागे हिन्दमहासागर: अस्ति। भारतस्य पूर्वभागे म्यांमारदेश: पश्चिमभागे च पाकिस्तानदेश: अस्ति। देशे विविधा: भाषा: धर्मा: च सन्ति। सर्वे जना: स्नेहपूर्वकं वसन्ति।

अर्थ

भारत के उत्तर भाग में हिन्द महासागर है। भारत के पूर्व भाग में म्यांमार देश और पश्चिम भाग में पाकिस्तान देश है। देश (भारत) में अनेक भाषायें और धर्म हैं। सभी लोग प्रेमपूर्वक रहते हैं।

उत्तरमाला 46

उ० भारतवर्षं अतीव शोभन: अस्ति।
उ० भारतस्य उत्तरभागे पर्वतराज हिमालय: अस्ति।

अभ्यास कार्य 47

प्र० भारतस्य पूर्वभागे क: देश: अस्ति?
प्र० नदीषु का प्रमुखा अस्ति?

शब्द अर्थ

विविधा:- अनेक,
सर्वेजना:- सभी लोग,
वसन्ति- रहते हैं।

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

48 प्रकरण- अस्माकं देशः

सत्यकथनानां समक्षम् 'आम्' असत्यकथनानां समक्षं 'न' इति लिखत-

(क) भारतस्य पश्चिमभागे पाकिस्तानदेशः अस्ति। ______।

(ख) भारतस्य दक्षिणभागे हिमालयः अस्ति। ______।

(ग) नदीषु गंगा प्रमुखा अस्ति। ______।

(घ) देशे विविधाः भाषाः धर्माः च सन्ति। ______।

"याम्" इति योजयित्वा पदानि रचयत-

दिशा + याम् = , वाटिका + याम् =

गंगा + याम् = , मथुरा + याम् =

यमुना + याम् =

पर्यायपदेन सह मेलयत-

हिमालयः	भागीरथी
सुन्दरः	भारतवर्षम्
भारतम्	शोभनः
गंगा	पर्वतराजः

उत्तरमाला 47

उ० भारतस्य पूर्वभागे म्यांमारदेशः देशः अस्ति।
उ० नदीषु गंगा प्रमुखा अस्ति।

Scanned with Cam

प्रकरण- परिशिष्टम्

लिङ्गानि

पुल्लिङ्गम्
यथा- (खगः)

स्त्रीलिङ्गम्
यथा- (घटिका)

नपुंसकलिङ्गम्
यथा- (पत्रम्)

वचनानि

एकवचनम्
यथा- (मूषकः)

द्विवचनम्
यथा- (मूषकौ)

बहुवचनम्
यथा- (मूषकाः)

अभ्यास कार्य 49

परिशिष्ट को समझे व याद करें।

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

कक्षा- 4
विषय- संस्कृत

पाठ- 13 पाठ्य क्रमांक - 1

50 प्रकरण- **भारतभक्ता:**

वयं बालका: भारतभक्ता:,
वयं बालिका: भारतभक्ता:।
वयं हि सर्वे भारतभक्ता:,
पृथ्वीं स्वर्गं जेतुं शक्ता:। वयम्

अर्थ=

हम सब बालक भारत देश के भक्त हैं। हम सब बालिकाएं भारत देश की भक्त हैं। हम सभी भारत देश के भक्त हैं। स्वर्ग रूपी पृथ्वी को जीतने में समर्थ है। हम सभी भारत के भक्त हैं।

गृह कार्य

निर्देशानुसारं परिवर्तयत

अहम्	वयम्
भक्त:	______
बालक:	______
बालिका:	______

शब्द अर्थ

वयं	हम सब
जेतुम्	जीतने में
शक्ता:	समर्थ

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

भारतभक्ता:

वयं सुधीरा:, वयं सुवीरा:,
हृष्टमानसा: पुष्टशरीरा:।
भूरि पठामो भूरि लिखामो,
भवितास्मो जनहिते नियुक्ता:।

अर्थ=
हम सभी धैर्य शाली हैं। हम सभी वीर हैं। मन से स्वस्थ और शरीर से ताकतवर हैं। हम सभी बहुत पढ़ेंगे हम सभी बहुत लिखेंगे क्योंकि हम सब को लोगों के हित के लिए नियुक्त किया गया है। हम सभी बालक भारत मां के भक्त हैं।
अर्थात बच्चों हम सभी को खूब पढ़ना चाहिए खूब लिखना चाहिए क्योंकि हमें बड़े होकर भारत मां के हित के लिए कार्य करना है।

गृह कार्य - निम्न प्रश्नों के उत्तर दें=

(क)वयं सर्वे कस्य भक्ता:?
(ख)पृथ्वीं स्वर्गं किं कर्तुं शक्ता:?
(ग)वयं कीदृशा:?
(घ)के भूरि पठामो?

उत्तरमाला- 50

अहम्	वयम्
भक्त:	भक्ता:
बालक:	बालका:
बालिका	बालिका:

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान

दैनिक पठन-पाठन
मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

कक्षा- 4
विषय- संस्कृत

पाठ-14 पाठ्य क्रमांक - 52 प्रकरण- व्याकरण

आदर्शः परिवारः

अहम् एकम् अशिक्षितं परिवारम् अपश्यम्।
तत्र बहवः सदस्याः आसन्।
तत्र भोजनाय पर्याप्तम् अन्नम् अपि नासीत्।
अतएव ते दुःखिताः आसन्।

हिन्दी अनुवादः- मैंने एक अशिक्षित परिवार को देखा। वहाँ बहुत से सदस्य थे। वहाँ खाने के लिए पर्याप्त अन्न भी नहीं था। इसलिए वे दुःखी थे।

अभ्यास कार्य

१.रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

क.अहं एकम्--------- परिवारम् अपश्यम्।

ख.तत्र भोजनाय ---------नासीत।

२. आशिक्षितं की भाँति अ लगाकर चार अन्य शब्द बनाओ।

३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क. अहं कीदृशम् परिवारम् अपश्यम् ?

ख. के दुःखिताः आसन्?

शब्द अर्थ

शब्द		अर्थ
आशिक्षितं	-	अनपढ़
अपश्यम	-	देखा
बहवः	-	बहुत से
भोजनाय	-	खाने के लिए
दुःखिताः	-	दुःखी

गतिविधि

सभी बच्चे अपने परिवार के बारे में बताएँ। सभी सदस्यों के नाम उनकी आयु, उनकी शिक्षा, क्या काम करते हैं आदि बातें लिखें।

उत्तरमाला क्रमांक 51

बोध प्रश्नों के उत्तर-

(क) वयं सर्वे भारतस्य भक्ताः।

(ख) पृथ्वी स्वर्गं जेतुम शक्ताः।

(ग) वयं सुधीराः, सुवीराः, हृष्टमानसाः, पुष्टशरीराः च।

(घ) वयं भूरि पठामो।

निर्माण - जितेन्द्र कुमार, बागपत व हेमलता गुप्ता, अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

आदर्शः परिवारः

अस्माकं परिवारः शिक्षितः।
अयं सीमितः परिवारः अस्ति।
इदानीम् अस्माकं परिवारे
अहं, मम भगिनी, मम जननी,
पितामही, मम जनकः,
पितामहः च, सन्ति। सर्वे
हृष्टपुष्टशरीराः प्रसन्नाः च सन्ति।

शब्द	अर्थ
अस्माकं	हमारा
शिक्षितः	पढ़ा-लिखा
सीमितः	छोटा
भगिनी	बहन
जननी	माता
पितामही	दादी
जनक	पिता
पितामह	दादा
हृष्टपुष्ट	स्वस्थ

हिन्दी अनुवादः- हमारा परिवार शिक्षित है। यह छोटा परिवार है। हमारे इस परिवार में मैं, मेरी बहन, मेरी माता, मेरी दादी, मेरे पिता, और मेरे दादा जी हैं। सबके शरीर स्वस्थ (हृष्टपुष्ट) हैं और सभी प्रसन्न (खुश) हैं।

अभ्यास कार्य

१.रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) अस्माकं परिवारः ---------अस्ति।
(ख) सर्वे हृष्टपुष्टशरीराः ....च सन्ति।

२. "जननी" तथा "भगिनी" की भाँति ई से अन्त होने वाले स्त्रीलिङ्ग के चार शब्द बताइए।

३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) अस्माकं परिवारः कीदृशः अस्ति?
(ख) के प्रसन्नाः सन्ति?

उत्तरमाला क्रमांक 52

1. रिक्त स्थानों की पूर्तिः-

(क) आशिक्षितं (ख) पर्याप्तं अन्नं

2. अपरिचितं, अप्रयुक्तं, अविभाजितं, अयोग्यं

3. प्रश्नों के उत्तर-

(क) अहं एकं आशिक्षितं परिवारम अपश्यं।
(ख) आशिक्षितं परिवारजनाः दुःखिताः आसन।

निर्माण - जितेन्द्र कुमार, बागपत व हेमलता गुप्ता, अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

54 प्रकरण- सदाचार:

रात्रौ शीघ्रं शयनीयम्।
प्रात: खलु जागरणीयम्।।
अप्रियवचनं त्यजनीयम्।
भद्रं भद्रं करणीयम्।।

हिन्दी अनुवाद:- रात को जल्दी सोना चाहिए। सुबह अवश्य जागना चाहिए। अप्रिय अर्थात कटु वचनों को त्यागना चाहिए। अच्छे-अच्छे कार्य करने चाहिएँ।

शब्द	अर्थ
रात्रौ	रात को
शीघ्रं	जल्दी
शयनीयम	सोना चाहिए
खलु	अवश्य
जगरणीयम	जागना चाहिए
अप्रियवचनम	कटु वचन
त्यजनीयम	त्यागने चाहिए
भद्रं	अच्छा
करणीयम	करना चाहिए

गतिविधि

सभी बच्चे अच्छी आदतों का चित्र बनाएँगे एवं उनके विषय में 10 वाक्य अपनी कॉपी में लिखेंगे।

अभ्यास कार्य

१. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-
(क) -----------त्यजनीयम्।
(ख) रात्रौ शीघ्रं -----------।

उत्तरमाला क्रमांक 53

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति:-
(क) शिक्षित:, (ख) प्रसन्ना:

2. ई से अंत होने वाले स्त्रीलिंग 4 शब्द:-
पत्नी, संगिनी, तपस्विनी, भक्तिनी

3. प्रश्नों के उत्तर:-
(क) अस्माकं परिवार: शिक्षित: अस्ति।
(ख) शिक्षित:, सीमित: च परिवारजना: प्रसन्ना: सन्ति।

55 प्रकरण- सदाचार:

मातृवन्दनं करणीयम्।
पितृवन्दनं करणीयम्।।
गुरो:वन्दनं करणीयम्।
अतिथिवन्दनं करणीयम्।।

हिन्दी अनुवाद:- माता की पूजा करनी चाहिए। पिता की पूजा करनी चाहिए। गुरु की पूजा करनी चाहिए। अतिथि की पूजा करनी चाहिए।

शब्द	अर्थ
मातृ	माता
पितृ	पिता
वन्दनम	पूजा
करणीयम	करनी चाहिए
गुरो:	गुरु की
अतिथि	मेहमान

गतिविधि

सभी बच्चे उपर्युक्त कविता का सस्वर पाठ करेंगे।

अभ्यास कार्य

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(ग) मातृवंदनम.............।

(घ) पितृवन्दनम...........।

उत्तरमाला क्रमांक 54

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति:-

(क) अप्रियवचनम

(ख) शयनीयं

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान

दैनिक पठन-पाठन

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

कक्षा- 4

विषय- संस्कृत

पाठ-16 पाठ्य क्रमांक -01

56 प्रकरण- वृक्षारोपणम

अयं वर्षाकाल:। सर्वे जना: यत्र तत्र वृक्षारोपणं कुर्वन्ति। मम विद्यालये अपि अद्य वृक्षारोपणकार्यम् अस्ति। तत्र केचन छात्रा: विद्यालयस्य उद्यानं गच्छन्ति।
अपरे वृक्षांकुरान् आरोपयन्ति।
केचन आलवालं रचयन्ति।
अध्यापक: तेषाम् साहाय्यं करोति।
स्वकार्यं दृष्ट्वा सर्वे प्रसन्ना: भवन्ति।

हिन्दी अनुवाद:- यह वर्षा का समय है। सब लोग यहाँ-वहाँ वृक्षारोपण कर रहे हैं। मेरे विद्यालय में भी आज वृक्षारोपण है। वहाँ कुछ छात्राएँ विद्यालय के बगीचे में जाती हैं। ततपश्चात पौधे लगाती हैं। कुछ पौधों का थाला बनाती हैं। अध्यापक उनकी सहायता करते हैं। अपने कार्य को देखकर सभी प्रसन्न होते हैं।

गतिविधि

सभी बच्चे वर्षा के मौसम के बारे में 10 वाक्य अपनी भाषा में लिखेंगे। जैसे- वर्षा में क्या-क्या होता है, वर्षा होने पर तुम क्या करते हो? आदि।

शब्द	अर्थ
वर्षाकाल:	वर्षा का समय
सर्वे जना:	सब लोग
यत्र-तत्र	यहाँ-वहाँ
केचन	कुछ
उद्यानम	बगीचे में
आरोपयन्ति	लगाते हैं
आलवालं	थाला
रचयन्ति	बनाते हैं
तेषां	उनकी
सहाय्यम	सहायता
स्वकार्यं	अपने कार्य को
दृष्ट्वा	देखकर

उत्तरमाला क्रमांक 55

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति:-

(ग) करणीयम (घ) करणीयम

निर्माण - जितेन्द्र कुमार, बागपत व हेमलता गुप्ता, अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

अभ्यास कार्य

१.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(अ) उद्यानं के गच्छन्ति?
(ब) अपरे किं कुर्वन्ति?
(स) किं दृष्ट्वा सर्वे प्रसन्ना: भवन्ति?
२.पाठ में प्रयुक्त क्रियाओं को छाँटकर लिखिए-
(अध्यापक सहायता करें)
३.पाठगत अव्यय पदों की सूची बनाइए।
४. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-
(क) सर्वे जना: यत्र तत्र.........कुर्वन्ति।
(ख) मम.........अपि अद्य वृक्षारोपणकार्यम् अस्ति।
(ग) तत्र केचन छात्रा: विद्यालयस्य..........गच्छन्ति।
(घ) ....तेषाम् साहाय्यं करोति।

गतिविधि

वर्षा ऋतु में आपको अपने आस-पास में क्या-क्या परिवर्तन दिखाई पड़ते हैं? अपने शब्दों में लिखो।

प्रकरण- स्वच्छता

ऋचा- सजल! पश्यतु, एषः मम ग्रामः अस्ति। ग्रामे सर्वत्र स्वच्छता अस्ति।
(ऋचा- सजल देखो, यह मेरा गाँव है। गाँव में सभी जगह सफाई है।)

सजलः- आम्! ऋचे! अत्र तु गृहे गृहे शौचालयः अस्ति।
(सजल- हाँ! ऋचा! यहाँ तो घर घर में शौचालय है।)

ऋचा- आम्! ग्रामस्य प्रत्येकं जनः स्वच्छतायै प्रयत्नं करोति। कोऽपि शौचार्थं बहिः न गच्छति।
(ऋचा- हाँ! गाँव का प्रत्येक व्यक्ति सफाई के लिए प्रयत्न करता है। कोई भी शौच के लिए बाहर नहीं जाता है।)

गृह कार्य

शब्द अर्थ

सर्वत्र	सभी जगह
शौचार्थं	शौच के लिए
बहिः	बाहर

बहुवचनपदेन सह मेलयत

गच्छति	उद्यानानि
जनः	क्षिपन्ति
ग्रामः	बालकाः
उद्यानम्	ग्रामाः
बालकः	जनाः
क्षिपति	गच्छन्ति

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

स्वच्छता

सजलः- शोभनम् ऋचे! पश्यतु कियत सुंदरम् उद्यानम् अस्ति।

(सजल- बहुत अच्छा ऋचा! देखो कितना सुन्दर बगीचा है।)

ऋचा- आम्! उद्याने सर्वे बालकाः बालिकाश्च सांयकाले क्रीडन्ति। जनाः अवकरम् इतस्ततः न क्षिपन्ति, अपितु अवकरपात्रे एव क्षिपन्ति।

(ऋचा- हाँ! बाग में सायं के समय सभी बालक और बालिकाएं खेलते हैं। लोग अपशिष्ट को इधर-उधर नहीं फेंकते हैं, बल्कि कूड़ेदान में ही फेंकते हैं।)

सजलः- उत्तमम्! ऋचे! भवत्याः ग्रामं दृष्ट्वा अहं बहु प्रसन्नं अस्मि।

(सजल- बहुत अच्छा ऋचा! आपका गाँव देखकर मैं बहुत प्रसन्न हूँ।)

शब्द अर्थ

कियत - कितना
अवकरम्- अपशिष्ट को
इतस्ततः- इधर-उधर
न क्षिपन्ति- नहीं फेंकते हैं।

उत्तरमाला

बहुवचनपदेन सह मेलयत

गच्छति	गच्छन्ति
जनः	जनाः
ग्रामः	ग्रामाः
उद्यानम्	उद्यानानि
बालकः	बालकाः
क्षिपति	क्षिपन्ति

Scanned with Cam

अभ्यास कार्य ===

एकपदेन उत्तरत -

(क) ग्रामे स्वच्छता कुत्र अस्ति?

(ख) कोऽपि शौचार्थं कुत्र न गच्छति?

(ग) सर्वे बालकाः कुत्र क्रीडन्ति?

(घ) जनाः अवकरं कुत्र क्षिपन्ति?

उचितपदै वाक्यानि पूरयत-

सुन्दरम्, उद्याने, अस्ति, अस्मि ।

(क) एषः मम ग्रामः ______।

(ख) कियत ______ उद्यानम् अस्ति।

(ग) ______ सर्वे बालकाः बालिकाश्च क्रीडन्ति।

(घ) अहं बहु प्रसन्नः ______।

गतिविधि सभी बच्चे अपने गांव पर 10 वाक्य लिखेंगे।

कक्षा- 4
विषय- संस्कृत
पाठ- 15 पाठ्य क्रमांक - 1

61 प्रकरण- **सदाचार:**

रात्रौ शीघ्रं शयनीयम्।
प्रात: खलु जागरणीयम्।।
अप्रिय वचनं त्यजनीयम्।
मधुरं वाक्यं वदनीयम्।।

अर्थ =

रात में जल्दी सोना चाहिए।सुबह अवश्य ही जल्दी जागना चाहिए। अप्रिय अर्थात गलत बातों को त्याग देना चाहिए।मीठे वचन बोलने चाहिए अर्थात बच्चों हमें सभी के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए।

अभ्यास कार्य ===

एकपदेन उत्तरत -

(क) रात्रौ कदा शयनीयम्?

(ख) किं त्यजनीयम्?

विलोम पदानि लिखत =

(क) दिवस: (ख) प्रात:

(ग) शीघ्रं (घ) प्रियम्

(ङ) जागरणीयम्

उत्तरमाला ===

एकपदेन उत्तरत -

(क) सर्वत्र (ख)बहि:

(ग) उद्याने(घ) अवकरपात्रे

उचितपदै वाक्यानि पूरयत-

(क) एष: मम ग्राम: अस्ति।

(ख) कियत सुन्दरम् उद्यानम् अस्ति।

(ग) उद्याने सर्वे बालका: बालिकाश्च क्रीडन्ति।

(घ) अहं बहु प्रसन्न: अस्मि।

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़ 9458278429

प्रकरण- सदाचार:

मातृवन्दनं करणीयम्।
पितृवन्दनं करणीयम्।।
स्नात्वा ध्यानं करणीयम्।
पाठ्यपुस्तकं पठनीयम्।।

अर्थ =

माता को प्रणाम करना चाहिए। पिता को प्रणाम करना चाहिए। स्नान करने के पश्चात ध्यान करना चाहिए। अपनी पाठ्य पुस्तकों को पढ़ना चाहिए। (बच्चों हमें अपने माता-पिता का आदर करना चाहिए और स्नान करके भगवान को ध्यान करना चाहिए और अपनी पाठ्य पुस्तकों को अवश्य पढ़ना चाहिए।)

अभ्यास कार्य ===

एकपदेन उत्तरत -

(क) किं पठनीयम्?

(ख) किं किं करणीयम्?

शब्दान् यथायोग्यं मेलयत -

(क) प्रात:खलु	वदनीयम्
(ख) अप्रियवचनम्	करणीयम्
(ग) स्नात्वा ध्यानं	त्यजनीयम्
(घ) मधुरं वाक्यं	जागरणीयम्

उत्तरमाला (61) ===

एकपदेन उत्तरत -

(क) रात्रौ शीघ्रं शयनीयम्।

(ख) अप्रियवचनं त्यजनीयम्।

विलोम पदानि लिखत =

(क) दिवस: = रात्रि
(ख) प्रात: = सायम्
(ग) शीघ्रं = मन्दम्
(घ) प्रियम् = अप्रियम्
(ङ) जागरणीयम्= शयनीयम्

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़ 9458278429

63 प्रकरण- **सदाचार:**

वृक्ष-रक्षणं करणीयम्।
वन्य-रक्षणं करणीयम्।।
शस्य-वर्धनं करणीयम्।
देश-रक्षणं करणीयम्।।

अर्थ =

बच्चों हमें वृक्षों अर्थात पेड़ों की रक्षा करनी चाहिए। वनों अर्थात जंगलों की रक्षा करनी चाहिए। फसल में वृद्धि करनी चाहिए अर्थात खेती करनी चाहिए और देश की रक्षा करनी चाहिए अर्थात बच्चों हमें अपने देश की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।

अभ्यास कार्य ===

वाक्यानि पूरयत

(क) रात्रौ शीघ्रं ____________।

(ख) अप्रियवचनम् _________।

(ग) देशरक्षणं ____________।

(घ) मधुरं ________ वदनीयम्।

उत्तरमाला (62) ===

एकपदेन उत्तरत -

(क) पाठ्यपुस्तकं पठनीयम्।

(ख) मातृवन्दनं पितृवन्दनं करणीयम्।

शब्दान् यथायोग्यं मेलयत -

(क) प्रात:खलु जागरणीयम्

(ख) अप्रियवचनम् त्यजनीयम्

(ग) स्नात्वा ध्यानं करणीयम्

(घ) मधुरं वाक्यं वदनीयम्

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़ 9458278429

शिक्षा का उत्थान

दैनिक पठन-पाठन

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा- 4

विषय- संस्कृत

पाठ- 16 पाठ्य क्रमांक - 1

64 प्रकरण- **न कोऽपि तुच्छः**

एकदा वने एकः गजः पिपीलिका च मिलत।(एक बार एक हाथी और चींटी जंगल में मिले।)

अर्थ

(अरे चींटी! मेरे रास्ते से दूर हो जाओ, अन्यथा मैं तुम्हें रौंद दूंगा।)

तदैव वने तीव्र वर्षा आरब्धा भवति।गजः पिपीलिका च एकस्यां गुहायां प्रविशतः।(तभी जंगल में बहुत तेज वर्षा शुरू हो जाती है।हाथी और चींटी एक गुफा में प्रवेश करते हैं।)

उत्तरमाला (63) ===

वाक्यानि पूरयत

(क) रात्रौ शीघ्रं शयनीयम् ।
(ख) अप्रियवचनम् त्यजनीयम्।
(ग) देशरक्षणं करणीयम्।
(घ) मधुरं वाक्यं वदनीयम्।

अभ्यास कार्य 64

एकपदेन उत्तरत

(क) गजः पिपीलिका च कुत्र मिलत?

(ख) वने का आरब्धा भवति?

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़ 9458278429

65 प्रकरण- **न कोऽपि तुच्छः**

तीव्र वर्षा कारणात् एका विशालशिला गुहायाः द्वारे पतति।
(तेज वर्षा के कारण एक बहुत बड़ा पत्थर गुफा के द्वार पर गिरता है।)

गजः अनेकैः प्रयत्नैः अपि तां शिलां मार्गात् दूरी कर्तुं न शक्नोति।
(हाथी बहुत प्रयास करने के बाद भी पत्थर को रास्ते से दूर नहीं कर पाता है।)

उत्तरमाला (64) ===

एकपदेन उत्तरत

(क) वने

(ख) तीव्र वर्षा

अभ्यास कार्य 65

वाक्यानि पूरयत

(क)वने एकः गजः ________च मिलत।

(ख)तीव्र वर्षा कारणात् एका विशालशिला ________द्वारे अपतत्।

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़ 9458278429

कक्षा- 4
विषय- संस्कृत
पाठ- 16 पाठ्य क्रमांक - 3

66 प्रकरण- **न कोऽपि तुच्छ:**

पिपीलिका लघु-आकार-कारणेन बहि: गन्तुं समर्था भवति।
(चींटी छोटा आकार होने के कारण बाहर जाने के लिए समर्थ होती है अर्थात छोटा होने के कारण बाहर निकल जाती है।)

भो मित्राणि! आगच्छन्तु आगच्छन्तु शिलां दूरी कर्तुं सहयोगं कुर्वन्तु।
(अरे मित्रों! आओ आओ पत्थर को दूर करने में सहायता करो अर्थात आप सभी मिलकर बड़े पत्थर को गुफा के द्वार से हटा दो।)

पिपीलिका वनस्य अन्य-पशूनां सहाय्येन शिलां दूरी करोति।
(चींटी अन्य जानवरों की सहायता से पत्थर को दूर करती है।)

पिपीलिके! क्षम्यताम्। संसारे आकारेण कोऽपि न तुच्छ:,न च श्रेष्ठ:, सर्वे समाना: सन्ति।

अरे चींटी! क्षमा करें।इस संसार में कोई भी छोटा नहीं है और न ही कोई श्रेष्ठ है, सभी समान हैं।

उत्तरमाला (65) === वाक्यानि पूरयत (क) एक: पिपीलिका: (ख) गुहाया:

Scanned with Cam

अभ्यास कार्य ===

(1) एकपदेन उत्तरत -

(क) के समाना: सन्ति ?

(ख) कुत्र कोऽपि न तुच्छ: न च श्रेष्ठ:?

(2) पाठम् आधृत्य वाक्यानि पूरयत-

(क) पिपीलिका लघु-आकार-कारणेन बहि: गन्तुं ______ भवति।

(ख) संसारे कोऽपि न तुच्छ: न च ______।

(3) विपरीतार्थक-पदेन सह मेलयत -

शीघ्रम्	श्रेष्ठ:
बहि:	अन्त:
समर्था	मन्दम्
तुच्छ:	असमर्था

गतिविधि सभी बच्चे इस कहानी को अपनी मातृभाषा में बोलेंगे व लिखेंगे।

Scanned with Cam

कक्षा- 4

विषय- संस्कृत

पाठ- पाठ्य क्रमांक - 68

प्रकरण- व्याकरण

संख्याएँ

1=	एक:	एका	एकम्
2=	द्वौ	द्वे	द्वे
3=	त्रय:	तिस्र:	त्रीणि
4=	चत्वार:	चतस्र:	चत्वारि
5=	पञ्च	पञ्च	पञ्च
6=	षट्	षट्	षट्
7=	सप्त	सप्त	सप्त
8=	अष्ट	अष्ट	अष्ट
9=	नव	नव	नव
10=	दश	दश	दश

अभ्यास कार्य

संख्याएँ मिलायें

1	अष्ट
2	षट्
3	चत्वार:
4	द्वौ
5	सप्त
6	पञ्च
7	एक:
8	त्रय:
9	दश
10	नव

उत्तरमाला 67

(1) एकपदेन उत्तरत -

(क) सर्वे

(ख)संसारे

(2) पाठम् आधृत्य वाक्यानि पूरयत-

(क) समर्था

(ख) श्रेष्ठ:

(3) विपरीतार्थक-पदेन सह मेलयत-

शीघ्रम्	मन्दम्
बहि:	अन्त:
समर्था	असमर्था
तुच्छ:	श्रेष्ठ:

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान

दैनिक पठन-पाठन

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

कक्षा- 4

विषय- संस्कृत

पाठ- **व्याकरण**

पाठ्य क्रमांक - 69

प्रकरण- **बालक रूप**

अकारान्त पुँल्लिङ्ग = बालक- लड़का

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	बालक:	बालकौ	बालका:
द्वितीया	बालकम्	बालकौ	बालकान्
तृतीया	बालकेन	बालकाभ्याम्	बालकै:
चतुर्थी	बालकाय	बालकाभ्याम्	बालकेभ्य:
पञ्चमी	बालकात्	बालकाभ्याम्	बालकेभ्य:
षष्ठी	बालकस्य	बालकयो:	बालकनाम्
सप्तमी	बालके	बालकयो:	बालकेषु
सम्बोधन	हे बालक!	हे बालकौ!	हे बालका:!

अभ्यास कार्य

बालक शब्द की द्वितीया, पंचमी व सप्तमी के रूप लिखें।

उत्तरमाला 68

1 एक:
2 द्वौ
3 त्रय:
4 चत्वार:
5 पञ्च
6 षट्
7 सप्त
8 अष्ट
9 नव
10 दश

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

कक्षा- 4
विषय- संस्कृत
पाठ- व्याकरण
पाठ्य क्रमांक - 70
प्रकरण- बालिका रूप

अकारान्त स्त्रीलिंग = बालिका- लड़की

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	बालिका	बालिके	बालिका:
द्वितीया	बालिकाम्	बालिके	बालिका:
तृतीया	बालिकया	बालिकाभ्याम्	बालिकाभि:
चतुर्थी	बालकायै	बालिकाभ्याम्	बालकाभ्य:
पञ्चमी	बालिकाया:	बालिकाभ्याम्	बालकाभ्य:
षष्ठी	बालिकाया:	बालिकयो:	बालिकानाम्
सप्तमी	बालिकायाम्	बालिकयो:	बालिकासु
सम्बोधन	हे बालिके!	हे बालिके!	हे बालिका:!

इसी प्रकार लता, चटका, माला व अजा के रूप होते हैं।

अभ्यास कार्य

बालिका रूप की तृतीया व षष्ठी विभक्ति के रूप लिखें।

उत्तरमाला 69

द्वितीया=बालकम् बालकौ बालका:

पंचमी=बालकात् बालकाभ्याम् बालकै:

सप्तमी=बालके बालकयो: बालकेषु

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

अकारान्त नपुंसकलिङ्ग = जल (पानी)

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	जलम्	जले	जलानि
द्वितीया	जलम्	जले	जलानि
तृतीया	जलेन्	जलाभ्याम्	जलैः
चतुर्थी	जलाय	जलाभ्याम्	जलेभ्यः
पञ्चमी	जलात्	जलाभ्याम्	जलेभ्यः
षष्ठी	जलस्य	जलयोः	जलानाम्
सप्तमी	जले	जलयोः	जलेषु
सम्बोधन	हे जलम् !	हे जले!	हे जलानि!

इसी प्रकार कमल, पत्र, फल व पुस्तक के रूप होते हैं।

अभ्यास कार्य

जल रूप की

द्वितीया व षष्ठी

विभक्ति के रूप लिखें।

उत्तरमाला 70

तृतीया=

बालिकया बालकै बालिकाः

षष्ठी=

बालिकायाः बालिकयोः बालिकानाम्

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

पाठ- **व्याकरण** पाठ्य क्रमांक - 72 प्रकरण- **तद् रूप (वह)**

पुँल्लिंग

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	सः	तौ	ते
द्वितीया	तम्	तौ	तान्
तृतीया	तेन	ताभ्याम्	तैः
चतुर्थी	तस्मै	ताभ्याम्	तेभ्यः
पञ्चमी	तस्मात्	ताभ्याम्	तेभ्यः
षष्ठी	तस्य	तयोः	तेषाम्
सप्तमी	तस्मिन्	तयोः	तेषु

अभ्यास कार्य

तद् रूप की द्वितीया व षष्ठी विभक्ति के रूप लिखें।

उत्तरमाला 71

द्वितीया=

जलम् जले जलानि

षष्ठी=

जलस्य जलयोः जलेषु

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

कक्षा- 4
विषय- संस्कृत
पाठ- व्याकरण
पाठ्य क्रमांक - 73
प्रकरण- तद् रूप

स्त्रीलिंग= तद् रूप

विभक्ति:	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	सा	ते	ता:
द्वितीया	ताम्	ते	ता:
तृतीया	तया	ताभ्याम्	ताभि:
चतुर्थी	तस्यै	ताभ्याम्	ताभ्य:
पञ्चमी	तस्या:	ताभ्याम्	ताभ्य:
षष्ठी	तस्या:	तयो:	तासाम्
सप्तमी	तस्याम्	तयो:	तासु

अभ्यास कार्य

तद् रूप की द्वितीया व सप्तमी विभक्ति के रूप लिखें।

उत्तरमाला 72

द्वितीया = तम् तौ तान्

षष्ठी= तस्य तयो: तेषाम्

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

नपुंसकलिंग= तद् रूप

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	तत्	ते	तानि
द्वितीया	तत्	ते	तानि
तृतीया	तेन	ताभ्याम्	तैः
चतुर्थी	तस्मै	ताभ्याम्	तेभ्यः
पञ्चमी	तस्मात्	ताभ्याम्	तेभ्यः
षष्ठी	तस्य	तयोः	तेषाम्
सप्तमी	तस्मिन्	तयोः	तेषु

अभ्यास कार्य

तद् रूप की तृतीया व पंचमी विभक्ति के रूप लिखें।

उत्तरमाला 73

द्वितीया = ताम् ते ताः

सप्तमी = तस्याम् तयोः तासु

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर, अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान

दैनिक पठन-पाठन
मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

कक्षा- 4
विषय- संस्कृत
पाठ- व्याकरण
पाठ्य क्रमांक - 75
प्रकरण- इदम् - यह

इदम् - यह (पुँल्लिङ्ग: - अयम्)

विभक्ति:	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्	
प्रथमा	अयम्	इमौ	इमे	ने
द्वितीया	इमम्	इमौ	इमान्	को
तृतीया	अनेन	आभ्याम्	एभि:	से
चतुर्थी	अस्मै	आभ्याम्	एभ्य:	के लिए
पञ्चमी	अस्मात्	आभ्याम्	एभ्य:	से (अलग)
षष्ठी	अस्य	अनयो:	एषाम्	का, की, के
सप्तमी	अस्मिन्	अनयो:	एषु	में, पे, पर

अयम् का अर्थ "यह" होता है। यह पुँल्लिङ्ग अर्थात पुरुष जाति के लिए प्रयोग किया जाता है। एकवचन का प्रयोग एक व्यक्ति के लिए, द्विवचन का प्रयोग दो व्यक्तियों के लिए एवं बहुवचन का प्रयोग बहुत से व्यक्तियों के लिए होता है।

अभ्यास कार्य

इदम् (पुँल्लिङ्ग:) रूप की द्वितीया व षष्ठी विभक्ति के रूप लिखें।

उत्तरमाला 74

तृतीया= तेन ताभ्याम् तै:

पञ्चमी = तस्मात् ताभ्याम् तेभ्य:

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

इदम् - यह (स्त्रीलिंग: - इयम्)

विभक्तिः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्	
प्रथमा	इयम्	इमे	इमा:	ने
द्वितीया	इमाम्	इमे	इमा:	को
तृतीया	अनया	आभ्याम्	आभि:	से
चतुर्थी	अस्यै	आभ्याम्	आभ्य:	के लिए
पञ्चमी	अस्या:	आभ्याम्	आभ्य:	से (अलग)
षष्ठी	अस्या:	अनयो:	आसाम्	का, की, के
सप्तमी	अस्याम्	अनयो:	आसु	में, पे, पर

इयम् का अर्थ "यह" होता है। यह स्त्रीलिंग अर्थात स्त्री जाति के लिए प्रयोग किया जाता है। एकवचन का प्रयोग एक के लिए, द्विवचन का प्रयोग दो के लिए एवं बहुवचन का प्रयोग बहुत से व्यक्तियों के लिए होता है।

अभ्यास कार्य

इदम् (स्त्रीलिंग: - इयम्) रूप की तृतीया व सप्तमी विभक्ति के रूप लिखें।

उत्तरमाला 75

द्वितीया= इमम् इमौ इमान्

षष्ठी = अस्य अनयो: एषाम्

निर्माण - हेमलता गुप्ता प्रा वि मुकन्दपुर,अलीगढ़ 9458278429

Scanned with Cam

धन्यवाद

निर्माण कर्ता
हेमलता गुप्ता

[स० अ०]

प्रा० वि० मुकन्दपुर, लोधा, अलीगढ़

Scanned with Cam